सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 333, नई दिल्ली । रविवार, 09 फरवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अच्छी किताबें और अच्छे लोग तुरंत समझ नहीं आते हैं, उन्हें पढ़ना पड़ता है।

03 दिल्ली का नया मुख्यमंत्री कौन? रेस में ये चार नाम शामिल
06 कामकाजी महिलाओं की चुनौतियां
08 बेटी नहीं बचाओगे, तो बहू कहाँ से लाओगे?

दिल्ली में भाजपा की ऐतिहासिक वापसी: 27 साल बाद सत्ता में लौटने के बड़े कारण

AAP	22	
BJP	48	—
INC	00	
OTHERS	00	

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आप) को सत्ता से बाहर कर 27 साल बाद राजधानी में वापसी की है। आइए जानते हैं वो 5 प्रमुख कारण, जिन्होंने भाजपा को जीत दिलाई और 'आप' की हार सुनिश्चित की भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकली 'आप' खुद घोटालों में घिर गई। शराब नीति घोटाले में केजरीवाल सहित कई बड़े नेताओं की गिरफ्तारी से जनता में नकारात्मक संदेश गया, जिससे भाजपा को फायदा हुआ। भाजपा ने महिलाओं को ₹2500 भत्ता, सस्ती गैस, फ्री बिजली-पानी जैसी घोषणाओं से आप की मुफ्त योजनाओं की काट की। डबल इंजन सरकार की रणनीति ने भी लोगों को लुभाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को लेकर जनता का भरोसा बरकरार रहा। भाजपा ने पूरे चुनाव में मोदी के नाम पर वोट मांगे और दिल्ली की जनता ने इस पर विश्वास जताया यमुना की सफाई में विफलता, गंदे पानी की समस्या और खराब सड़कों ने आप सरकार के खिलाफ माहौल बनाया। भाजपा ने इन मुद्दों को जमकर भुनाया। कांग्रेस ने भले ही सीटें न जीती हों, लेकिन उसका वोट शेयर बढ़ने से आप को सीधा नुकसान हुआ और भाजपा को इसका फायदा मिला। इन प्रमुख कारणों से भाजपा ने दिल्ली में जीत का परचम लहराया और आप को सत्ता से बाहर कर दिया।

चुनावी नतीजों के बाद दिल्ली सचिवालय में हाई अलर्ट, फाइलों को लेकर लिया ये बड़ा फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की करारी हार के कुछ घंटों बाद ही दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत बिना अनुमति के दिल्ली सचिवालय से किसी भी फाइल, दस्तावेज या कंप्यूटर हार्डवेयर को बाहर ले जाने पर रोक लगा दी गई है।

सुरक्षा को लेकर कड़े निर्देश- जीएडी द्वारा जारी किए गए नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि यह आदेश सचिवालय के सभी अधिकारियों और मंत्रिपरिषद के सदस्यों पर भी लागू होगा। विभाग ने सभी शाखा प्रभारियों को अपने-अपने विभागों में रखे दस्तावेजों, फाइलों और इलेक्ट्रॉनिक फाइलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

चुनावी नतीजों का असर- यह आदेश ऐसे समय में आया है जब भारतीय जनता पार्टी ने 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा में 48 सीटों पर बढ़त बना ली है, जबकि आम आदमी पार्टी महज 22 सीटों पर सिमट गई है। 27 वर्षों के बाद भाजपा दिल्ली में सरकार बनाने जा रही है।

आप के लिए बड़ा झटका- यह चुनाव आम आदमी पार्टी के लिए बड़ा झटका साबित हुआ है, जिसने पिछले दस वर्षों से राष्ट्रीय राजधानी पर अपना वर्चस्व बनाए रखा था। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को अपनी-अपनी सीटों पर हार का सामना करना पड़ा है। राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सौरभ भारद्वाज जैसे दिग्गज नेता चुनाव हार गए हैं। खास बात यह है कि केजरीवाल को नई दिल्ली सीट से भाजपा नेता परवेश वर्मा ने पराजित किया है।

सत्ता हस्तांतरण की तैयारी- विशेषज्ञों का मानना है कि जीएडी का यह आदेश सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए जारी किया गया है। इससे सरकारी दस्तावेजों और फाइलों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, जो नई सरकार के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रशासनिक सतर्कता- सूत्रों के अनुसार, यह कदम प्रशासनिक सतर्कता का एक हिस्सा है। नई सरकार के गठन से पहले सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और फाइलों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

GOVERNMENT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI
GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT
DELHI SECRETARIAT, I.P. ESTATE, NEW DELHI - 110 002

F.No.53/695/GAD/CN/2024/301 Dated: 08.02.2025

ORDER

All Addl. Chief Secretaries/Pr. Secretaries/Secretaries to the Government of National Capital Territory of Delhi are advised to get back all pending files/documents/records with the offices of Hon'ble Chief Minister/Hon'ble Ministers, GNCTD. After formation of the new Government, such files/documents may be resubmitted to the Hon'ble Chief Minister/Hon'ble Ministers concerned, as the case may be, after fresh examination of the subject matter. Officers working in the offices of Hon'ble Chief Minister/Hon'ble Ministers are directed to return all pending files/documents/records to the concerned Administrative Secretary of the Department concerned.

(PRADEEP TAYAL)
JOINT SECRETARY (GAD)

To

All Addl. Chief Secretaries/Pr. Secretaries/Secretaries, GNCT of Delhi.

F.No.53/695/GAD/CN/2024/301 Dated: 08/02/2025

Copy for information and necessary action to: -

1. Addl. Secretary to Chief Minister, Delhi Secretariat, New Delhi.
2. Secretary to Minister (Health), Govt. of NCT of Delhi.
3. Secretary to Minister (GAD), Govt. of NCT of Delhi.
4. Secretary to Minister (Transport), Govt. of NCT of Delhi.
5. Secretary to Minister (Food & Supply), Govt. of NCT of Delhi.
6. Secretary to Minister (Labour), Govt. of NCT of Delhi.
7. OSD to Chief Secretary, 5th Level, Delhi Secretariat, New Delhi.
8. PS to Addl. Chief Secretary (GAD), 2nd Level, Delhi Sectt., New Delhi.

(PRADEEP TAYAL)
JOINT SECRETARY (GAD)

दिल्ली के ऑटो टैक्सी चालकों ने कर दिया कमाल

दिल्ली में 27वर्षो के बाद आ गईं भाजपा सरकार सभी चलकों ने दिल से भाजपा का दिया साथ तो दिल्ली में छा गईं मोदी सरकार. जो पार्टी इनके रोजगार से खेलेगी वह चली जाएगी .आपका अपना ऑटो टैक्सी यूनियन सभी चलकों का धन्यवाद करती है. *-संतोष पाण्डेय*

दिल्ली के व्यवसायिक वाहन मालिकों ने बीजेपी को सफलता पर दी बधाई

परिवहन क्षेत्र में जुड़े व्यवसायियों ने दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत मिलने पर हर्ष व्यक्त करते हुए समस्त दिल्ली वासियों को बधाई एवं धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जो सुशासन देश में चल रहा है उसे दिल्ली विधानसभा के चुनाव में दिल्ली की जनता ने भाजपा को बहुमत देकर अपना मोहर लगाया है क्योंकि 12 वर्षों से अरविंद केजरीवाल और उसकी पार्टी आप पूरे प्रदेश वासियों के लिए आपदा हो गई थी शराब घोटाले से लेकर निजी हवेली तक बनाने में यह लोग लग रहे जनता को झूठी रेवड़ियां बाट कर अरविंद केजरीवाल एंड कंपनी घोटाले के पैसे से अपनी संपत्तियों बनाने में लगे हुए थे इनकी झूठ का पर्दाफाश होने पर दिल्ली की जनता ने सत्ता से उखाड़ कर फेंक दिया। आगे कहा कि अब देश और प्रदेश में डबल इंजन की सरकार होगी दिल्ली वासियों को मोदी के सब का साथ सबका विकास के विकास मंत्र से लाभान्वित होने का मौका मिलेगा।

कार्यालय सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी
(प्रशासन), बलिया।

पत्रांक 213 /टी0आर/पंजीयन/ई-रिक्शा/2024-25 दिनांक-07 फरवरी, 2025

सेवा में,
समस्त डीलर्स
ई-रिक्शा
जनपद-बलिया।

विषयः- जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक दिनॉक 04.01.2025 में लिए गये निर्णय के अनुसार ई-रिक्शा का पंजीयन रोके जाने के सम्बन्ध में।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक दिनॉक 04.01.2025 के कार्यवृत्त पत्रांक 429स0सु0/बैठक दिनॉक 07.02.2025 में बिन्दु संख्या-6 पर दिए गये निर्देश "जिले में ई-रिक्शा के अधिकता को देखते हुए नये ई-रिक्शा के पंजीकरण पर रोक लगाये जाने के निर्देश दिए गये।" के अनुपालन में आज दिनॉक 07.02.2025 से नये ई-रिक्शा के पंजीयन पर रोक लगायी जाती है एवं निर्देशित किया जाता है कि उक्त से अवगत होते हुए आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

(अरूण कुमार राय)
सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी
बलिया।

पत्रांक व दिनॉक उपरोक्त।
प्रतिलिपिः-
जिलाधिकारी महोदय बलिया को सादर अवलोकनार्थ प्रेषित।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी
बलिया।

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 की सभी 70 सीटों का रिजल्ट एक जगह, देखें कहां से कौन जीता ?

S.NO	विधानसभा सीट	जीते	पार्टी
1	नरेला	राज करण खत्री	भाजपा
2	बुराड़ी	संजीव झा	आप
3	तिमारपुर	सूर्य प्रकाश खत्री	भाजपा
4	आदर्श नगर	राजकुमार भाटिया	भाजपा
5	बादली	अहीर दीपक चौधरी	भाजपा
6	रिठाला	कुलवंत राणा	भाजपा
7	बवाना (SC)	रविंदर इंद्राज सिंह	भाजपा
8	मुंडका	जसबीर कालरा	भाजपा
9	किराड़ी	अनिल झा	आप
10	सुल्तानपुर माजरा (SC)	मुकेश कुमार अहलावत	आप
11	नांगलोई जाट	मनोज कुमार शौकीन	भाजपा
12	मंगोलपुरी (SC)	राजकुमार चौहान	भाजपा
13	रोहिणी	बिजेंद्र गुप्ता	भाजपा
14	शालीमार बाग	रेखा गुप्ता	भाजपा
15	शकूर बस्ती	करनैल सिंह	भाजपा
16	त्रिनगर	तिलक राम गुप्ता	भाजपा
17	वजीरपुर	पूनम शर्मा	भाजपा
18	मॉडल टाउन	अशोक गोयल	भाजपा
19	सदर बाजार	सोम दत्त	आप
20	चांदनी चौक	पुनरदीप सिंह साहनी	आप
21	मटिया महल	आले मोहम्मद इकबाल	आप
22	बल्लीमारान	इमरान हुसैन	आप
23	करोल बाग	विशेष रवि	आप
24	पटेल नगर (SC)	परवेश रतन	आप
25	मोती नगर	हरीश खुराना	भाजपा
26	माटीपुर (SC)	कैलाश गंगवाल	भाजपा
27	राजौरी गार्डन	मनजिंदर सिंह सिरसा	भाजपा
28	हरि नगर	श्याम शर्मा	भाजपा
29	तिलक नगर	जरनैल सिंह	आप
30	जनकपुरी	आशीष सूद	भाजपा
31	विकासपुरी	पंकज कुमार सिंह	भाजपा
32	उत्तम नगर	पवन शर्मा	भाजपा
33	द्वारका	प्रद्युम्न सिंह राजपूत	भाजपा
34	मटियाला	संदीप सहरावत	भाजपा
35	नजफगढ़	नीलम पहलवान	भाजपा
36	बिजवासन	कैलाश गहलोत	भाजपा
37	पालम	कुलदीप सोलंकी	भाजपा
38	दिल्ली कैंट	वीरेंद्र सिंह कादियान	आप
39	राजेंद्र नगर	उमंग बजाज	भाजपा
40	नई दिल्ली	प्रवेश वर्मा	भाजपा
41	जंगपुरा	तरविंदर सिंह मारवाह	भाजपा
42	कस्तूरबा नगर	नीरज बसोया	भाजपा
43	मालवीय नगर	सतीश उपाध्याय	भाजपा
44	आरके पुरम	अनिल कुमार शर्मा	भाजपा
45	महरौली	गजेंद्र सिंह यादव	भाजपा
46	छतरपुर	करतार सिंह तवर	भाजपा
47	देवली	प्रेम कुमार चौहान	आप
48	अंबेडकर नगर (SC)	अजय दत्त	आप
49	संगम विहार	चंदन कुमार चौधरी	भाजपा
50	ग्रेटर कैलाश	शिखा राय	भाजपा
51	कालकाजी	आतिशी	आप
52	तुगलकाबाद	सहीराम	आप
53	बदरपुर	राम सिंह नेताजी	आप
54	ओखला	अमानतुल्लाह खान	आप
55	त्रिलोकपुरी (SC)	रविकांत	भाजपा
56	कोंडली (SC)	कुलदीप कुमार	आप
57	पटपड़गंज	रविंदर सिंह नेगी	भाजपा
58	लक्ष्मी नगर	अभय कुमार वर्मा	भाजपा
59	विश्वास नगर	ओम प्रकाश शर्मा	भाजपा
60	कृष्णा नगर	अनिल गोयल	भाजपा
61	गांधी नगर	अरविंदर सिंह लवली	भाजपा
62	शाहदरा	संजय गोयल	भाजपा
63	सीमापुरी (SC)	वीर सिंह धीगान	आप
64	रोहतास नगर	जीतेंद्र महाजन	भाजपा
65	सीलमपुर	चौधरी जुबैर अहमद	आप
66	घोंडा	अजय महावर	भाजपा
67	बाबरपुर	गोपाल राय	आप
68	गोकलपुर	सुरेंद्र कुमार	आप
69	मुस्तफाबाद	मोहन सिंह बिष्ट	भाजपा
70	करावल नगर	कपिल मिश्रा	भाजपा

रायगढ़ा में बनेगा नया रेलवे डिवीजन, कैबिनेट की मंजूरी मिली

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रायगढ़ा में एक नया रेलवे डिवीजन स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अब वोल्टा डिवीजन का नया नाम विशाखापत्तनम डिवीजन होगा और यह दक्षिण तटीय रेलवे के अंतर्गत आएगा। इसी प्रकार, रायगढ़ा डिवीजन को एक नए रेलवे डिवीजन के रूप में स्थापित किया जाएगा। इसका मुख्यालय रायगढ़ में होगा।कोट्टावलासा-बचेली, कुनेरू-थेरुबली जंक्शन, सिंगापुर रोड-कोरापुट जंक्शन और परलाखेमुंडी-गुनापुर के बीच के सभी स्टेशन इस डिवीजन के अंतर्गत होंगे।

यह रेलवे डिवीजन रायगढ़, कोरापुट, गजपति, नबरंगपुर, मलकानगिरी, कालाहांडी सहित आदिवासी आबादी वाले जिलों के लाभ के लिए काम करेगा। यह ओडिशा रेलवे नेटवर्क के साथ-साथ स्थानीय क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस बीच, क्षेत्र में रेलवे बुनियादी ढांचे के विकास को सुनिश्चित करने के लिए अमिताभ सिंघल को नया डीआरएम नियुक्त किया गया है।

इस कदम का दक्षिण ओडिशा के आदिवासी बहुल इलाकों में बड़ा असर पड़ेगा। इस परियोजना के माध्यम से क्षेत्रीय आर्थिक विकास, स्थानीय उद्योगों के साथ बेहतर संपर्क और रोजगार के अनेक अवसर सृजित होंगे। दूसरी ओर, कोरापुट-रायगढ़ रेलवे लाइन पूर्वी घाट के शानदार प्राकृतिक दृश्य, हरियाली, झरने, जनजातीय विरासत, परंपराओं और संस्कृति के कारण राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करेगी।

दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने भाजपा सरकार बनने पर दिल्ली के सारे टैक्सी बस वालो को बधाई देकर मिठाई भी बांटी

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का कहना हैं की ये जीत सिर्फ बीजेपी पार्टी की हीं नहीं बल्कि दिल्ली की जनता की जीत हुई हैं.

संजय सम्राट का कहना हैं की दिल्ली मे केजरीवाल के 10 साल के कुशाशन को खत्म करने के लिए दिल्ली के टैक्सी बसों वालो ने पूरी ताकत लगा दी थी.

केजरीवाल के पेनिक बटन घोटाले को ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट ने लगातार मीडिया के सामने और प्रदर्शन करके उठाया.

साथ मे प्रदूषण के नाम पर केजरीवाल के द्वारा डीजल गाडी बंद करने और टैक्सी वालो पर 20 हजार के जुर्माने करवाना केजरीवाल सरकार का हारना भी मुख्य कारण रहा.

संजय सम्राट का कहना हैं की केजरीवाल सरकार ने सिर्फ फ्री की रेवड़ियों को हीं जीत का पैमाना मान लिया था और इन 10 वर्षो मे कभी भी ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन को मिलने तक का समय नहीं दिया.

दिल्ली के नाराज टैक्सी बसों वालो ने केजरीवाल का घमंड तोड़ दिया हैं.

ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने बीजेपी सरकार से आशा हैं की वो दिल्ली के टैक्सी बसों वालो का ध्यान रखेंगे और टूरिस्ट टैक्सी बसों से पेनिक बटन और स्पीड लिमिट को खत्म करवाएंगे.

बल्कि टूरिज्म आयोग भी दिल्ली मे बनाएंगे जिस से दिल्ली मे पर्यटन को बढ़ावा मिले और ज्यादा से ज्यादा टूरिस्ट दिल्ली मे आये।

कांग्रेस के 70 में से 67 उम्मीदवारों की जमानत जब्त....

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के 70 में से 67 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई. वह 70 सदस्यीय विधानसभा में लगातार तीसरी बार अपना खाता खोलने में नाकाम रही है. हालांकि, कांग्रेस के वोट शेयर में 2.1% का मामूली सुधार हुआ है. जबकि उनके कई प्रमुख नेताओं को करारी हार का सामना करना पड़ा. वहीं. कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने दावा किया है कि वो लोगों का विश्वास फिर से जीतेंगे और 2030 में अपनी सरकार बनाएंगे.

दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का एक बार फिर सफाया गया. पार्टी के अधिकांश उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई. कांग्रेस के सिर्फ तीन उम्मीदवार अपनी जमानत बचाने में कामयाब रहे. जिनमें कस्तूरबा नगर से अभिषेक दत्त जो दूसरे स्थान पर रहने वाले एकमात्र कांग्रेसी नेता हैं. इस लिस्ट में नांगलोई जाट से रोहित चौधरी और बादली से देवेंद्र यादव शामिल हैं. ज्यादातर कांग्रेस उम्मीदवार बीजेपी या आप के बाद तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन कुछ सीटों में कांग्रेस के उम्मीदवार एआईएमआईएम के उम्मीदवारों से भी पीछे रहे. जिसमें मुस्लिम बहुल क्षेत्र शामिल हैं.

दिल्ली कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव खुद बादली सीट पर तीसरे स्थान पर रहे, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा कालकाजी में तीसरे स्थान पर रहीं और पूर्व मंत्री हारून यूसुफ बल्लीमारान में तीसरे स्थान पर थे, जिसका उन्होंने 1993 से 2013 के बीच पांच बार प्रतिनिधित्व किया था.

जीता है देश दिल्ली हो विशेष...!

यारों दिल्ली को झाड़ू की नहीं,
वेक्यूम क्लिनर की जरूरत थी।
ये सत्ताईस साल का सूखा था,
लोकसभा जीतते रहे दुखा था।
मुफ्त का निवाला जो फेंका था,
उसका स्वाद बड़ा ही रूखा था।

यारों दिल्ली को झाड़ू की नहीं,
वेक्यूम क्लिनर की जरूरत थी।
दिल्ली वालों ने 11 साल देखा था,
कुछ-2 मीठा था,बाद में खट्टा था।
उस गले में मफलर का पट्टा था,
शीशमहल व शराब का बट्टा था।

यारों दिल्ली को झाड़ू की नहीं,
वेक्यूम क्लिनर की जरूरत थी।
यमुना के मन में खूब गुस्सा था,
पूर्वांचलियों को बड़ा अखरता था।
अब उन्हें खड़ाऊ न था स्वीकार,
झाड़ू बिखरकर हो गई है बेकार।

यारों दिल्ली को झाड़ू की नहीं,
वेक्यूम क्लिनर की जरूरत थी।
अब सीएम हाउस में नया प्रवेश,
राज्य का दर्जा दिलवाओं रमेश।
करना वादे पूरे न रहें अब शेष,
जीता है देश दिल्ली हो विशेष।

(सन्दर्भ : दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम)

संजय एम तराणेकर

महाँकालभैरव_साधना

यह रक्षा कारक साधना है, जिन्हें दुसरों से धोखे अगर बार बार मिलते हों, अनजाना भय लगता हो, शत्रु हैरान या बदनामी करते हों उनके लिए ये रामबाण साधना है। यह किसी भी रविवार या अष्टमी की रात्रि में कर सकते हैं। संकल्प लेकर गुरुदेव, गणपति को प्रणाम करें भैरवजी के यंत्र या चित्र के सामने स्नान करके रात्रि 9 बजे काले या लाल आसन पर दक्षिण दिशा की तरफ मुख करके बैठ जाएं। अपने सामने काले वस्त्र पर सूखा नारियल , एक कपूर के टुकड़े , 11 लौंग 11 इलायची थोड़ा लोबान या धूप रखें। सरसों के तेल का दीपक जलाएं। हाथ में नारियल लेकर अपनी मनोकामना बोलें। नारियल पर सिंदूर, अक्षत, काले तिल, लाल पुष्प, थोड़ा गुड़ या जलेबी अर्पित करें। दक्षिण दिशा की ओर देखकर इस मन्त्र का 108 बार जप हकीक या रुद्राक्ष से करें।

मंत्रः-

'ॐ भ्रां भ्रीं भ्रूं भ्रः ! ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रः !ख्रां ख्रीं ख्रूं ख्रः !घ्रां घ्रीं घ्रूं घ्रः ! म्रां म्रीं म्रूं म्रः ! म्रों म्रों म्रों म्रों ! क्लों क्लों क्लों क्लों !श्रों श्रों श्रों श्रों ! ज्रों ज्रों ज्रों ज्रों। हूँ हूँ हूँ हूँ। हूँ हूँ हूँ हूँ फट सर्वतो रक्ष रक्ष रक्ष रक्ष भैरव नाथ हूँ फट।'

जप के बाद क्षमा प्रार्थना करें, अपनी इच्छा पूर्ण होने का अनुरोध करें। गुरु महाकाल, भोग गुड़ या जलेबी को घर के बाहर कुत्ते के लिए रख दें, फिर इस बाकी सामान को उसी रात्रि या अगले दिन काले कपडे.में बांधकर भैरव मंदिर में चढ़ा दें या फिर जल में प्रवाहित कर दें या सुनसान जगह पर छोड़ दें।

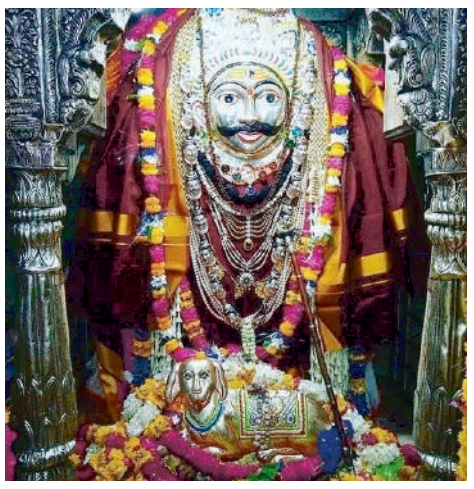

धर्म, समाज़ और प्रकृति

फलों को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है, यह तो हम सभी जानते हैं। उन्हीं फलों में से एक है पपीता।

पपीता एक ऐसा फल है जिसे साधारणतया सभी लोग खाना पसंद करते हैं। पपीते को वजन घटाने के लिए काफी अच्छा माना जाता है। लेकिन अधिकांश लोग यह नहीं जानते हैं कि पपीता की तरह ही इसके बीज भी गुणों से भरपूर होते हैं। जिन बीजों को हममें से अधिकांश लोग बेकार समझकर फेंक देते हैं, वास्तव में वह गुणों का खजाना हैं। ध्यान रहे कि पपीते के बीज में भरपूर मात्रा में विटामिन, जिंक, फॉस्फोरस, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो शरीर को कई तरह की समस्याओं से बचाने में सहायक सिद्ध होता है। मार्केट में पपीते के बीज की कीमत लगभग 2000 रुपये प्रति किलोग्राम से भी ज्यादा है। डायबिटीज आज के समय की एक बड़ी समस्या में से एक है। इसका कोई ज्ञात इलाज नहीं है इसको लाइफस्टाइल और खान-पान में बदलाव करके काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। पपीते के बीज में एंटीऑक्सीडेंट और फ्लावोनोइड होते हैं, जो डायबिटीज को कंट्रोल करने में सहायक होते हैं इसलिए डायबिटीज के मरीज पपीते के बीज को अपनी डाइट में शामिल कर सकतें हैं। पपीते के बीजों को पेट की लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। कई अध्ययनों का मानना है

कि पपीते के बीज आंतों में रहने वाले बैक्टीरिया, जो कब्ज को बढ़ाते हैं, को मारते हैं जिससे पेट को स्वस्थ रखकर, कब्ज की समस्या से राहत मिलती है। पपीता के बीज खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके, बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। पपीता के बीज किडनी में मौजूद टॉक्सिन्स को साफ करता है जिससे किडनी में सूजन नहीं होती है, इंफेक्शन भी नहीं होता है। इससे पीरियड्स को रेगूलेट करने में भी मदद मिलती है और पीरियड्स में पेन कम होती है। इसे अपने आहार में शामिल करने के लिए बीजों की स्मूदी बनाकर उपयोग कर सकते हैं। इसका सेवन सुखाकर व पीसकर, सलाद में मिलाकर, मसालेदार कुरकुरे स्वाद के साथ भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त एल्कलाइन वाटर बनाते समय, पानी में किसी भी फल/सब्जी को काटकर, इन बीजों को कूट/पीसकर डालने से, फ्रेश ड्रिंक के रूप में भी, इसका उपयोग किया जा सकता है।

पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में जन्मे जातक का स्वभाव, कैरियर, रोग और उपायः

हमारे नक्षत्र मंडल का 11 वां नक्षत्र पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र है। जो एक पलंग के प्रथम सिरे या झूले वाले बिस्तर की तरह दिखाई देता है। इस नक्षत्र के अधिष्ठाता देवता भग है जो कि धन व ऐश्वर्य के देवता माने जाते हैं तथा नक्षत्र स्वामी शुक्र है। पूर्वा फाल्गुनी शब्द का अर्थ है पहले आने वाला या चारपाई के पहले दो पांव।

स्वभावः पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में जन्मे जातक बड़ी सुंदर आंखो वाले, यशस्वी, गुणी, धनी, भाग्यशाली, नैतिक, ईमानदार तथा शांत स्वभाव के होते हैं। आचार्य वराहमिहिर के अनुसार इस नक्षत्र में जन्मे लोगो में शुक्र का प्रभाव देखने को मिलता है यहीं कारण हैं कि जातक आकर्षण शक्ति संपन्न, बहुमुखी प्रतिभा वाला, धार्मिक, बुद्धिमान, उग्र, विलासी स्त्रियों का प्रिय तथा साहसी होता है।

कैरियरः पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में जन्मे जातक संगीतकार, अभिनेता,

धर्मगुरु, शादी विवाह प्रबंधक, यात्रा प्रबंधक, अध्यापक, काउंसलर, वकील, एक्टिंग, फिल्म डायरेक्टर, इंजीनियर, ज्योतिष, मोटीवेटर आदि में कैरियर बनाकर सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

रोगः इस नक्षत्र में जन्मे लोगो को शुगर, वात से संबंधित रोग, पेट और पीठ के रोग आदि हो सकते हैं।

उपायः पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में जन्मे जातको को भगवान सूर्य की आराधना अत्यंत लाभकारी सिद्ध होती है। यदि प्रत्येक रविवार सूर्य नमस्कार तथा आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ करें तो सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा गाय तथा गुरु की सेवा से भाग्य बलवान होता है। जीवन में उन्नति के लिए इन्हें पलाश का वृक्षारोपण करना चाहिए। हल्का बादामी, पीला, केसरिया तथा सफेद रंग का उपयोग इनके लिए भाग्य वृद्धि करने वाला होता है।

ज्योतिषाचार्य पंडित योगेश पौराणिक(इंजी.)

डायबिटीज का मरीज रात का खाना खा रहा है तो कभी उसकी सुबह की शुगर नॉर्मल नहीं आएगी कितना सच जाने

आठवीं क्लास में हमने ग्लाइकोजेनेसिस की क्रिया पड़ी थी। उसमें जैसे कार्बोहाइड्रेट ग्लूकोज में कन्वर्ट होता था वैसे ही रात को अगर खाना खाते हैं तो कार्बोहाइड्रेट ग्लूकोज में कन्वर्ट होता है और खाना खाकर सो जाने से वह ग्लूकोस ब्लड में स्रावित हो जाता है तभी तो रात को घूमने के लिए कहां जाता है क्योंकि खाना खाने के बाद घूमने से वही ग्लूकोस एनर्जी के रूप में शरीर से बाहर निकल जाता है और घूमने भी ऐसे नहीं होता कि आप बातें करते हुए सड़क पर घूम रहे हो, कम से कम पसीना आधा गिलास आना चाहिए। इसलिए कम खाइए डायबिटीज के पेशेंट खाने की मत सोचिए रात का खाना खा रहे हो तो आयुर्वेदिक होम्योपैथिक एलोपैथिक सब जीरो है आपके लिए, अमृत भी काम नहीं करेगा

आयुर्वेद में लिखा हुआ है
एक भूक्तम - सदा आरोग्यं
द्वी भूक्तम - बल वर्धनम
त्रि भूक्तम- सदा रोग्यम
चतुरथ भुक्तम - मरण सम्मान

बच्चों से बड़ों तक सबके लिए फायदेमंद है वंशलोचन (तबाशीर)

वंशलोचन क्या है

वंसलोचन बांस की कुछ नस्लों की जोड़ों से मिलने वाला एक पारभासी (ट्रांसलूसॅन्ट) सफ़ेद पदार्थ होता है। यह मुख्य रूप से सिलिका और पानी और कम मात्रा में खार (पोटैश) और चूने का बना होता है।

वंशलोचन (Banslochan) बांस के पेड़ की एक किस्म से बनता है। दरअसल, ये बांस का एक तना होता है जो कुछ पत्तियों के साथ बाहर से सख्त और अंदर से नरम होता है। वंशलोचन या ताबाशीर दिखने में एक सफेद पदार्थ की तरह दिखता है, जो मुख्य रूप से सिलिका और पानी से बना होता है, जिसमें चूने और पोटाश के निशान होते हैं, जो बांस की कुछ प्रजातियों से निकलते हैं। वंशलोचन का कोई स्वाद नहीं होता है। लेकिन ये जीभ पर लगाते ही पानी सोख लेता है। यह गंधहीन होता है और इसकी शेल्फ लाइफ एक वर्ष से अधिक होती है। वंशलोचन की खास बात ये है कि ये औषधीय गुणों से भरपूर है और बड़े से लेकर बच्चों तक सबके लिए फायदेमंद है। आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा प्रणालियों की दवा-सूचियों में इसका अहम स्थान है। पारम्परिक चीनी चिकित्सा के कई नुस्ख़ों में भी इसका प्रयोग होता है।

वंशलोचन के लाभ

वंशलोचन के खास गुण

वंशलोचन की खास बात ये है कि इसमें सिलिकॉन डाइऑक्साइड है, जो हड्डियों, जोड़ों, टेंडन और त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता। वंशलोचन के सेवन से शरीर के ऊतकों का पूरी तरह से विकास होता है। आयुर्वेद के अनुसार ये इम्यूनो-मॉड्यूलेटर की तरह काम करता है जो कि इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में मदद करता है। इस तरह ये रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, मौसमी बीमारियों से बचाने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें कुछ खास गुण होते हैं, जैसे कि

- कैल्शियम
- आयरन से भरपूर
- एंटी इंफ्लेमेटरी
- इम्यूनिटी बूस्टर
- एंटासिड
- गठिया रोधी
- एंटी बैक्टीरियल

1. हड्डियों को मजबूत बनाता है - वंशलोचन में कैल्शियम की मात्रा बहुत ज्यादा होती है जो कि हड्डियों को मजबूत बनाता है। इसे अगर आप प्रेग्नेंसी के समय खाएं तो, आपके बच्चे की हड्डियों का विकास होता है। बड़े बच्चों को खिलाएं तो उनकी हड्डियां मजबूत होती है और बढ़ती उम्र में खाएं तो ये हड्डियों का मजबूत बनाता है और जोड़ों के दर्द, गठिया और ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसी समस्याओं से बचाता है। ऐसे में आप वंशलोचन को दूध में मिला कर पी सकते हैं।

2. पित्त शांत करता है - वंशलोचन ठंडी तासीर वाला होता है इसलिए जिन लोगों को हाथ पैर में जलन और हाथ से पसीने निकले की परेशानी होती है उनके लिए भी वंशलोचन का सेवन फायदेमंद है। ये पित्त को शांत करता है और शरीर के बाकी दोष जैसे कि वात, पित्त और कफ में संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। इसके लिए आपको वंशलोचन के पानी का नियमित रूप से सेवन करना होगा।

3. पेट में सूजन को कम करता है - पेट में सूजन के पीछे कई कारण हो सकते हैं जैसे कि पेप्टिक अल्सर, अल्सरेटिव कोलाइटिस और क्रोहन रोग आदि। इन सब में पेट का अस्तर प्रभावित होने लगता है और पेट में सूजन आ जाती है। ऐसे में मुलेठी के साथ वंशलोचन लेने से आपको फायदा मिल सकता है।

4. मुंह के छालों को दूर करता है - जिन लोगों को मुंह में छाले की समस्या हर कुछ दिनों पर हो जाती है उन्हें वंशलोचन को शहद में मिला कर इसका सेवन करना चाहिए। दरअसल मुंह के छाले पेट की गर्मी बढ़ जाने के कारण होने लगते हैं। साथ ही जिन लोगों का पित्त ज्यादा होता है उनमें भी ये परेशानी ज्यादा होती है। तो वंशलोचन पेट की गर्मी को शांत करता है और शहद का एंटीबैक्टीरियल गुण माउथ इंफेक्शन को कम करता है और मुंह के छालों को ठीक करने में मदद करता है।

5. शरीर को डिटॉक्स करता है - वंशलोचन शरीर को डिटॉक्स करता है और शरीर के सभी अंगों के काम काज को बेहतर बनाने में मदद करता है। ये शरीर के विषाक्त पदार्थों को दूर करता है और आंतों की सफाई में मददगार होता है। इसके अलावा वंशलोचन मेटाबोलिज्म को तेज करने में भी मददगार है जो कि खाने-पीने के फंक्शन को सही करने में मदद करता है।

6. बालों के विकास में मददगार - वंशलोचन बालों के विकास को प्रोत्साहित करता है और बालों को मजबूत करता है। यह प्रभाव इसमें प्राकृतिक सिलिका सामग्री के कारण होता है। इसमें मौजूद सिलिका बालों को पतला होने और बालों को झड़ने से रोकता है। इसका रेगुलर सेवन करने से स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है और बालों की जड़ें मजबूत रहती हैं और बाल तेजी से बढ़ते हैं।

7. एसिडिटी की समस्या को दूर करता है - एसिडिटी पेट में ज्यादा एसिड प्रोडक्शन होने की वजह से होता है। ऐसे में वंशलोचन आपकी काफी मदद कर सकता है। सुबह खाली पेट वंशलोचन का सेवन करने से एसिडिटी की समस्या को कम किया जा सकता है। साथ ही जिन लोगों को कब्ज की दिक्कत होती है उन लोगो के लिए भी वंशलोचन बहुत फायदेमंद है।

8. बच्चों में मिट्टी खाने की आदत को दूर करता है - कुछ बच्चों को मिट्टी खाने की आदत होती है और आसानी से जाती नहीं। ऐसे में इस आदत को दूर करने में वंशलोचन आपकी मदद कर सकता है। ऐसे में वंशलोचन को पीस लें और शहद में मिला कर इसकी गोलियां बना कर बच्चों को दें। इससे बच्चों में कैल्शियम की कमी दूर हो जाएगी और मिट्टी खाने की उनकी आदत ही चली जाएगी।

9. महिलाओं के लिए फायदेमंद - वंशलोचन महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद है। ये पीरियड्स के क्रैंप्स को कम करने में मदद करता है और शरीर में खून की कमी भी नहीं होने देता। साथ ही जिन महिलाओं में आयरन की कमी होती है उनके लिए भी वंशलोचन बहुत फायदेमंद है। ये उन्हें एनीमिया के लक्षण को कम करने में मदद करता है।

10. चेहरे की रंगत निखारता है - वंशलोचन चेहरे की रंगत निखारता है और आपको गोरा होने में मदद करता है। दरअसल ऐसा कहा जाता है कि प्रेग्नेंसी में जो महिलाएं वंशलोचन लेती हैं उनके बच्चे गोरे होते हैं। इसके अलावा वंशलोचन खून साफ करने में मदद करता है, जिससे कील-मुंहासे से छुटकारा मिलता है और रंगत भी साफ होती है।

रूसी- खुश्की

कारण बालों में डैंड्रफ और खुश्की होने की समस्या के कारणों में से सिर की स्किन में डेड कोशिकाएं मुख्य है। स्किन का ऑयली होना या रूखे होने के कारण भी ये समस्या आपको परेशान कर सकती है।

1. तनाव का अधिक होना।
2. फंगल इन्फेक्शन का होना।
3. बालों में अधिक पसीने के कारण।
4. बालों को आवश्यक पोषक तत्वों का ना मिलना।
5. बालों की सफाई (हेयर केयर) का ध्यान न रखने से।
6. हारमोंस इम्बेलेंस के कारण भी ये समस्या हो सकती है।

डैंड्रफ हटाने के लिए बालों को अच्छे से धोये और इसकी सफाई का विशेष ध्यान रखे। बालों में रुसी/सिकरी की समस्या होने पर सिर की त्वचा की देखभाल अच्छे से करे और किसी नुकीली चीज से सिर में खारिश न करे ऐसा करने से सिर में जख्म बन सकते है।

1. दो चम्मच बेकिंग सोडा ले और इसमें दो चम्मच पानी मिलाकर सिर में लगाकर पन्द्रह मिनट की लिए छोड़ दे फिर सिर को अच्छे से धो ले। ये उपाय रुसी दूर करने में बहुत फायदेमंद है।

2. पानी व सिरके को बराबर-बराबर मात्रा में मिलाये और बालों में लगाये। ऐसा करने से भी हेयर डैंड्रफ हटाने में मदद मिलती है।

3. नीम के पत्ते लेकर उन्हें अच्छी तरह से पिस ले और उनका लेप बनाये। इसके बाद इस लेप को सिर पर सूखे बालों में प्रयोग करे और कुछ देर बाद सिर को धोये।

4. दही का प्रयोग रूसी से छुटकारा पाने में रामबाण इलाज है। दही को अच्छे से पुरे सिर पर लगाये और लगभग एक घंटे बाद सिर को धोये।

5. चार-पांच चम्मच नारियल का तेल ले और इसमें एक चम्मच निम्बू का रस मिला ले फिर इसे सिर पर लगाये। ऐसा करने से रुसी और खुश्की की परेशानी दूर होती है।

6. तुलसी और आंवले का पाउडर ले और इसे मिला ले फिर अच्छे तरीके से बालों की जड़ों पर लगाये और आधे घंटे बाद सिर को धो ले।

7. मेथी के दाने लें, उन्हें रात में पानी में डुबोकर छोड़ दे और सुबह उन्हें अच्छे से पिस ले और उनका लेप बनाकर सिर में स्किन पर अच्छे से लगाये फिर तीस मिनट के बाद सिर को अच्छे से धो ले। ऐसा करने से बालों में से रुसी तो खत्म होती ही है और इसके इलावा बालों की अन्य समस्याओं से भी आराम मिलता है।

8. दो चम्मच जैतून का तेल और चार चम्मच दही को दो चम्मच मूँग की दाल के पाउडर में अच्छे से मिलाये और इसका एक लेप बनाये इसके बाद इस लेप को बालों में दस-पन्द्रह मिनट तक लगाये और फिर बालों को साफ़ पानी से अच्छे से धोये।

9. मुल्तानी मिटटी के प्रयोग से भी रूसी और खुश्की को खत्म कर सकते है। मुल्तानी मिट्टी को पानी में अच्छे से पीसकर लेप बना ले फिर इसमें थोड़ी मात्रा में निम्बू के रस को भी मिला दे फिर इसके बाद इस लेप को पन्द्रह से बीस मिनट तक बालों पर लगाने के बाद सिर को धोये। इस उपाय को दो से तीन बार प्रयोग करने से रूसी की समस्या के साथ साथ सिर में खुश्की की परेशानी से भी छुटकारा मिलता है।

10. एलोवेरा जेल से बालों में अच्छे तरीके से मसाज करने से भी बालों की बहुत सी परेशानियों से राहत मिलती है।

11. सरसों के तेल से रात को सोते वक्त अच्छे से मालिश करे और फिर सुबह बालों को अच्छे से धो ले।

12. पानी का अधिक सेवन करे।

13. बालों पर ज्यादा तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का प्रयोग करने से बचे।

बालो में से रूसी दूर करने के उपाय करने हो या फिर खुश्की और रुसी से बचना हो आपको अगर शैम्पू का प्रयोग करना है तो केवल आयुर्वेदिक/हर्बल या नेचुरल शैम्पू का ही प्रयोग करे।

बालों की समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए बालों पर विशेष ध्यान देने की जरुरत होती है। ऐसा करने से बाल स्वस्थ तो रहेंगे ही साथ साथ सुन्दर और मजबूत बनेंगे। इसलिए हमे ऐसा भोजन खाना चाहिए जो बालों में पोषक तत्वों की पूर्ति कर दे।

बालों में खुश्की और रुसी किसी को भी किसी भी उम्र में हो सकती है, इस समस्या के होने की कोई विशेष उम्र नहीं है।

इन नुस्खों को अगर सही तरीके से अपनाये तो आप बालो में डैंड्रफ, बाल गिरने और टूटने की समस्या से छुटकारा पा सकते है

श्री हनुमान चालीसा पढ़ने से मिलते हैं 10 फायदे

चिकित्सा विज्ञान कहता है कि भय और क्रोध हमारे इम्यून सिस्टम को प्रभावित करता है। इम्यून सिस्टम का संतुलन बिगड़ने से जल्दी से रोग लग जाता है। ऐसे मे हनुमान चालीसा का पाठ आपका फायदा कर सकता है, जानिए

1. आध्यात्मिक बल : आध्यात्मिक बल से ही आत्मिक बल प्राप्त होता है और आत्मिक बल से ही हम शारीरिक बल प्राप्त करके हर तरह के रोग से लड़कर उस पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करने से मन और मस्तिष्क में आध्यात्मिक बल प्राप्त होता है। हनुमान जी को बल, बुद्धि और विद्या के दाता कहा जाता है, इसलिए हनुमान चालीसा का प्रतिदिन पाठ करना आपकी स्मरण शक्ति और बुद्धि में वृद्धि करता है। साथ ही आत्मिक बल भी मिलता है।

2. मनोबल बढ़ाता है हनुमान चालीसा : नित्य हनुमान चालीसा पढ़ने से पवित्रता की भावना का विकास होना है हमारा मनोबल बढ़ता है। उल्लेखनीय है कि जनता कर्फ्यू के दौरान घंटी या ताली बजाना या लॉकडाउन के दौरान दीप जलाना, रोशनी करना यह सभी व्यक्ति के निराश के अंधेरे से निकालकर मनोबल को बढ़ाने वाले ही उपाय कर रहे थे। मनोबल ऊंचा रहेगा तो सभी संकटों से निजात मिलेगी। हनुमान चालीसा की एक पंक्ति हैं- अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता, असवर दिन जानकी माता।

3. अकारण भय व तनाव मिटता : हनुमान चालीसा में एक पंक्ति है- भूत पिशाच निकट नहीं आवे महावीर जब नाम सुनावे। या सब सुख लहै तुम्हारी सरना, तुम रक्षक काहू को डरना। यह चौपाई मन में अकारण भय हो तो समाप्त कर देती है। हनुमान चालीसा का पाठ आपको भय और तनाव से छुटकारा दिलाने में बेहद कारगर है।

4. हर तरह का रोग मिटता : हनुमान चालीसा में एक पंक्ति है- नासै रोग हरे सब पीरा, जपत निरन्तर हनुमत बीरा। या बल बुधि बिद्या देहु मोहिं, हरहु कलेस बिकार। अर्थात किसी भी प्रकार का रोग हो आप बस श्रद्धापूर्वक हनुमानजी का जाप करते रहे। हनुमान जी आपकी पीड़ा हर लेंगे। कैसे भी कलेस हो अर्थात कष्ट हो, वह सम्पात हो जाएगा। श्रद्धा और विश्वास की ताकत होती है। मतलब यह कि दवा के साथ दुआ भी करें। हनुमान जी की कृपा से शरीर की समस्त पीड़ाओं से आपको मुक्ति मिल जाएगी।

5. हर तरह का संकट मिटता : आप किसी भी प्रकार का शारीरिक संकट या मानसिक संकट आया हो या प्राणों पर यदि संकट आ गया हो तो यह पंक्ति पढ़ें- संकट कटै मिटै सब पीरा, जो सुमिरै हनुमत बलबीरा। या संकट तें हनुमान छुड़ावै, मन क्रम बचन ध्यान जो लावै। यह आपके भीतर नए सिरे से आशा का संचार कर देगी।

6. बंधन मुक्ति का उपाय : कहते हैं कि यदि आप नित्य 100 बार हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो हर तरह के बंधन से मुक्त हो जाते हैं। वह बंधन भले ही किसी रोग का हो या किसी शोक का हो। हनुमान चालीसा में ही लिखा है- जो सत बार पाठ कर कोई, छूटहि बन्दि महा सुख होई। सत अर्थात सौ।

7. नकारात्मक प्रभाव होते हैं दूर : मान्यता के अनुसार निरंतर हनुमान चालीसा पढ़ने से हमारे घर, मन और शरीर से नकारात्मक ऊर्जा का निष्कासन हो जाता है। निरोगी और निश्चिंत रहने के लिए जीवन में सकारात्मकता की जरूरत होती है। सकारात्मक ऊर्जा व्यक्ति को दीर्घजीवी बनाती है।

8. ग्रहों के प्रभाव होते हैं दूर : ज्योतिषियों के अनुसार प्रत्येक ग्रह का शरीर पर भिन्न भिन्न असर होता है। जब उसका बुरे असर होता है तो उस ग्रह से संबंधित रोग होते हैं। जैसे सूर्य के कारण धड़कन का कम-ज्यादा होना, शरीर का अकड़ जाना, शनि के कारण फेफड़े का सिकुड़ना, सांस लेने में तकलीफ होना, चंद्र के कारण मनसिक रोग आदि। इसी तरह सभी ग्रहों से रोग उत्पन्न होते हैं। यदि पवित्र रहकर नियमपूर्वक हनुमान चालीसा पढ़ी जाए तो ग्रहों के बुरे प्रभाव से मुक्ति मिलती है।

9. घर का कलह मिटता है : यदि परिवार में किसी भी प्रकार की कलह है तो कुछ समय बाद परिवार के सदस्य तनाव में रहने लगेंगे और धीरे धीरे उन्होंने शारीरिक और मानसिक रोग घेर लेंगे। नित्य हनुमान चालीसा का पाठ करने से मन में शांति स्थापना होती है। कलह मिटता है और घर में खुशनुमा माहौल निर्मित होता है।

10. बुराइयों से दूर करती है हनुमान चालीसा, यदि आप नित्य हनुमान चालीसा पढ़ रहे हैं तो निश्चित ही आप धीरे धीरे स्वतः ही तरह तरह की बुराइयों से दूर होते जाएंगे। जैसे कुसंगत में रहकर नशा करना, पराई स्त्री पर नजर रखना और क्रोध, मोह, लोभ, ईर्ष्या, मद, काम जैसे मानसिक विकार को पालन। जब व्यक्ति तरह की बुराइयों से दूर रहता है तो धीरे-धीरे उसकी मानसिक और शारीरिक सेहत सुधरने लगती है।

नित्य हनुमान चालीसा पढ़ने से आपमें आध्यात्मिक बल, आत्मिक बल और मनोबल बढ़ता है। इसे पवित्रता की भावना महसूस होती है। शरीर में हल्कापन लगता है और व्यक्ति खुद को निरोगी महसूस करता है। इससे भय, तनाव और असुरक्षा की भावना हट जाती है। जीवन में यही सब रोग और शोक से मुक्त होने के लिए जरूरी है।

लगातार तीसरी बार 'शून्य' पर आउट हुई कांग्रेस, करारी हार की बड़ी वजह आई सामने

परिवहन विशेष

कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में फिर से निराशाजनक प्रदर्शन किया है। पार्टी की इस हार के लिए शीर्ष नेतृत्व की हीला-हवाली जिम्मेदार है। प्रचार के नाम पर महज खानापूर्ति की गई और वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव प्रचार में भी दिलचस्पी नहीं दिखाई। कांग्रेस को तब तक उद्धार नहीं मिल सकता जब तक उसे शीर्ष नेतृत्व का पूरा समर्थन नहीं मिलता।

नई दिल्ली, विधानसभा चुनाव का मुकाबला त्रिकोणीय बना देने के बावजूद अगर कांग्रेस तीसरी बार भी अपना "खाता" नहीं खोल सकी तो इसके लिए शीर्ष पार्टी नेतृत्व की हीला-हवाली जिम्मेदार है।

पार्टी की प्रदेश इकाई की भरसक कोशिशों के बावजूद शायद शीर्ष नेताओं के लिए यह चुनाव बहुत मायने रखता ही ना था। इसीलिए प्रचार के नाम पर महज खानापूर्ति की गई।

मई 2024 में लोकसभा चुनाव के दौरान शीर्ष पार्टी नेतृत्व ने मनमानी की थी। प्रदेश इकाई के विरोध पर भी आप के साथ गठबंधन का निर्णय थोप दिया। यही नहीं, उदित राज एवं कन्हैया कुमार की उम्मीदवारी भी ऊपर से ही तय की गई।

लवली सहित अनेक पूर्व विधायकों ने छोड़ी पार्टी

नतीजा, तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली सहित अनेक पूर्व विधायकों ने पार्टी छोड़ दी। इससे पार्टी भी कमजोर हुई और गठबंधन के बावजूद दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटें भाजपा ने जीत ली।

लोकसभा चुनाव के दौरान चुनौतीपूर्ण समय में पार्टी की कमान पंजाब कांग्रेस के प्रभारी व दिल्ली से विधायक रह चुके देवेंद्र यादव को दी गई। यादव ने महज आठ माह में खूब मेहनत कर न सिर्फ संगठन को मजबूत किया बल्कि आप और भाजपा के साथ कांग्रेस को भी मुकाबले में ला खड़ा किया।

राहुल व प्रियंका गांधी कांग्रेस की न्याय यात्रा में नहीं हुए शामिल

विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए ही यादव ने एक माह लंबी न्याय यात्रा निकाली। इसमें सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों को कवर किया गया। लेकिन एक भी दिन वरिष्ठ पार्टी नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा व पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इसमें शरीक नहीं हुए। यहां तक कि इसके समापन समारोह में भी पूर्व सहमति दे देने के बावजूद नहीं पहुंचे।

अब यदि दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रचार पर आएं तो राहुल गांधी ने 13 जनवरी को सीलमपुर में पहली जनसभा की। इसके बाद वह गले में संक्रमण व बुखार होने के चलते दो सप्ताह की "छुट्टी" पर चले गए। दोबारा वह 28 जनवरी को चुनाव प्रचार में उतरे।

इसी दिन प्रियंका और खरगे ने भी पदार्पण किया। जबकि तीन फरवरी प्रचार का आखिरी दिन था। इस आधे अधूरे प्रचार ने कांग्रेस का ग्राफ फिर से नीचे कर दिया। वह भी तब जब आप एवं भाजपा के प्रचार में उनके शीर्षस्थ नेता उतरे हुए थे।

ज्यादातर नेताओं ने केवल औपचारिकता ही निभाई

इतना ही नहीं, पार्टी के 40 स्टार प्रचारकों की सूची में से भी ज्यादातर नेताओं ने केवल औपचारिकता ही निभाई। कुछ प्रदेश पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता करने तक ही रह गए तो प्रचार के आखिरी समय में जनसभा करने के लिए पहुंचे।

प्रदेश कांग्रेस के तमाम वरिष्ठ नेताओं ने भी नाम न छापने के अनुरोध पर इस कड़वे सच को स्वीकार किया है। उनका कहना है कि जिस तरह भाजपा को उनके शीर्ष नेतृत्व का साथ पूरी शिद्दत और गंभीरता से मिलता है, वैसे ही जब तक कांग्रेस को उसके शीर्ष नेतृत्व से नहीं मिल पाएगा, पार्टी का उद्धार भी नहीं ही हो सकेगा।

ठिठुरन भरी ठंड का दौर खत्म, दिन में रहेगी गर्माहट; आनेवाले दिनों में बढ़ेगा तापमान

नई दिल्ली। चुनावी सरगर्मियों के बीच शनिवार को दिल्ली का मौसमी तापमान भी सामान्य से करीब तीन डिग्री अधिक रिकॉर्ड हुआ। आने वाले दिनों में भी तापमान में वृद्धि होने के ही संकेत हैं। अब ठिठुरन भरी ठंड नहीं लौटेगी। अलबत्ता, सुबह व शाम की ठंड बनी रहेगी। दिन में धूप खिलने पर गर्माहट का एहसास भी बना रहेगा। इस बीच शनिवार को दिन भर आसमान साफ रहा। धूप भी निकली रही। अधिकतम तापमान सामान्य से 2.8 डिग्री अधिक 26.1 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.4 डिग्री अधिक 9.8 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा में नमी का स्तर 76 से 25 प्रतिशत रहा।

रविवार को स्मॉग और धुंध की संभावना

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि रविवार सुबह स्मॉग और धुंध रहने की संभावना है। दिन में आसमान साफ रहेगा। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 26 और 10 डिग्री रह सकता है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार आने वाले दिनों में भी अधिकतम और न्यूनतम तापमान में इजाफा होता जाएगा।

मध्यम श्रेणी में रही दिल्ली की वायु गुणवत्ता

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी एयर क्वालिटी बुलेटिन के अनुसार शनिवार को दिल्ली का एक्यूआइ 152 दर्ज किया गया। एक दिन पहले शुक्रवार को यह 156 रहा था। यानी 24 घंटे के दौरान इसमें चार अंकों की गिरावट और आई है। एनसीआर के शहरों में भी वायु गुणवत्ता संतोषजनक से मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई है। हाल फिलहाल इसमें अधिक वृद्धि होने की कोई संभावना नहीं है।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

सुषमा रानी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली 8 फरवरीः दस्तक, डॉ. अम्बेडकर सोसायटी फॉर थाट्स एक्शन्स एण्ड कंसियसनेस एवं इंडियनंस फॉर इंडिया फाउंडेशन के के संयुक्त तत्वावधान में सीएसआर पहल 'सक्षम' के अन्तर्गत सारिपुत्र बुद्ध विहार त्रिलोक पुरी ब्लॉक 36 पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 100 लाभार्थियों ने भाग लिया।

शिविर में डॉ. प्रियंका वर्मा एवं उनकी टीम ने शुगर, रक्तचाप की जांच की तथा उन्हें परामर्श के साथ निःशुल्क दवाई भी उपलब्ध कराईं। शिविर में वायरल फीवर से सम्बंधित दवाई भी उपलब्ध कराई गई।

इस अवसर पर दस्तक के अध्यक्ष डॉ.एन के संत, महामंत्री मनोज कुमार सोलानी, सचिव राज कुमार, प्रबंध समिति सदस्य एल एस हरित, दीपक इसरानी, कुंती देवी, रेनू सैनी, सदस्य मंजू कुमारी तथा इंडियन फॉर इंडिया फाउंडेशन के गीतेश सिन्हा उपस्थित थे।

आम आदमी पार्टी को लगा बड़ा झटका आतिशी जीती केजरीवाल और मनीष सिसोदिया हारे

सुषमा रानी

नई दिल्ली। केजरीवाल एंड कंपनी पर तमाम सवाल रहे. केजरीवाल सवालों को नकारते रहे. जवाब जनता का आया. बीजेपी 27 वर्ष बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की. अब जबकि दिल्ली में आप साफ हो गई है, तो आने वाले समय में खुद केजरीवाल, आम आदमी पार्टी और विपक्ष की राजनीति पर इसका क्या असर हो सकता है, समझते हैं.

1. ब्रांड केजरीवाल ध्वस्त

करप्शन के खिलाफ चेहरा. स्वच्छ शासन-प्रशासन देने की समझ. स्पष्ट विजन. राजनीति में बीजेपी-कांग्रेस से इतर विकल्प बनने का माद्दा. सबकुछ कहा गया. केंद्र की एजेंसियों के हत्थे चढ़ने के बाद केजरीवाल ने बहुत कुछ गंवाया. दिल्ली के नतीजों ने 'ब्रांड केजरीवाल' के साथ जुड़े तमाम चमकदार विशेषणों को बेरंगत कर दिया.

2. फ्रीबीज पॉलिटिक्स फेल

फ्रीबीज पॉलिटिक्स को संस्थागत रूप दिया. बाद में इसे कई कांग्रेसी सरकारों ने अपनाया. बीजेपी की सरकारों ने भी चुनावी राजनीति के इस सरल रूट को पकड़ा. इस बार भी केजरीवाल पुराने फ्रीबीज के साथ बहुत कुछ और फ्री लेकर आए. लेकिन जनता ने ही कह दिया कि अब बस. निश्चित तौर पर वोटर्स की ये मैच्योरिटी आने वाले समय में राजनीति पार्टियों के लिए एक सबक हो सकती है, देशहित में हो सकती है.

3. आप में ठहराव

आप का विस्तार पहले से ही ठहरा हुआ था, विस्तार की संभावना अब और कम हो जाएगी. गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक समेत कुछ और राज्यों केजरीवाल ने पार्टी की नींव डाली लेकिन पूरी इमारत कहीं नहीं बनी. कई जगह तो नींव के ईंट-रोड़े ही बिखर गए. अब अगले 5 साल केजरीवाल दिल्ली में अपने वजूद को वापस पाने पर फोकस करने के लिए मजबूर हो सकते हैं. ऐसा हुआ तो दूसरे राज्यों में पार्टी के विस्तार की संभावनाएं और कम हो जाएंगी.

4. करप्शन का घेरा

केजरीवाल और उनके तमाम बड़े चेहरे हाल ही में जेल से लौटे हैं. अब इन्हें दिल्ली की उस जनता ने नकार दिया है, जिसने उन्हें पहला प्यार दिया था. दिल्ली का जनादेश उस राजनीतिक दुविधा को खत्म कर सकता है, जो केजरीवाल एंड कंपनी पर और ज्यादा सख्ती करते हुए हो सकता था. ऐसा हुआ तो आने वाले समय में केजरीवाल और उनके साथियों की मुश्किलें करप्शन के मामलों में बढ़ सकती है.

5. विपक्षी एकता ध्वस्त

बमुश्किल 8 महीने हुए हैं. लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और आप दिल्ली में साझीदार थे. खुद नेहरू-गांधी परिवार ने आप के उम्मीदवार को वोट किया. इस विधानसभा चुनाव में दोनों अलग-अलग ही नहीं लड़े, इनके रिश्ते भी तार-तार हुए. यकीनन INDIA ब्लॉक (या जो भी नाम दें) की एकजुटता की अब हाल-फिलहाल में उम्मीद करना भी बेमानी होगी.

6. बिहार चुनाव पर असर

बिहार में न केजरीवाल की कोई धमक या चमक है और न ही आप की जमीन. मगर दिल्ली के नतीजों के बाद बीजेपी विरोधी पार्टियों के बीच जो आपसी किच-किच शुरू होगी, उसका असर बिहार में महागठबंधन पर पड़े बिना शायद नहीं रहेगा. कांग्रेस पर दिल्ली में आप का खेल बिगाड़ने के आरोप लगेंगे. यह सब हुआ तो बिहार में महागठबंधन की चुनावी संभावनाओं को नुकसान जरूर पहुंच सकता है.

7. कांग्रेस-आप कड़वाहट

दिल्ली के चुनाव प्रचार में कांग्रेस के अल्फाज आप के लिए बड़े ही तीखे रहे. आप के खिलाफ कमोवेश बीजेपी की ही लाइन पर कांग्रेस दिखी. यहां तक कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने भी आम आदमी पार्टी पर कई गंभीर टिप्पणी की. खुद राहुल-प्रियंका ने आप की फ्रंट लीडरशिप को भी नहीं बख्शा. केजरीवाल का व्यक्तित्व और मिजाज जिस तरह का रहा है उसे देखते हुए ये कहा जा सकता है कि वे कांग्रेस की इस अदावत को शायद लंबे वक्त तक याद रखेंगे. दिल्ली में हारे हुए और खुद अपनी सीट पर कांग्रेस के वोट कटवा संदीप दीक्षित की वजह से खार खाए केजरीवाल कई जगहों पर कांग्रेस के लिए खेल बिगाड़ सकते हैं. हालांकि लंबी अवधि में आप से स्पष्ट दूरी कांग्रेस के लिए लाभ का सौदा होगी या फायदे का, ये अलग विश्लेषण का विषय है.

बीजेपी की जीत पर व्यापारियों ने बटी मिठाई

सुषमा रानी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली की जीत को लेकर व्यापारियों में काफी खुशी है इसको लेकर फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड एसोसिएशन के बैनर तले व्यापारियों ने जगह-जगह मिठाई बटी और एक दूसरे को बधाई दी। इस अवसर पर फेडरेशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा, अध्यक्ष राकेश यादव, महासचिव कमल कुमार, कोषाध्यक्ष दीपक मित्तल, गोपाल ग्रोवर व्यापारी नेता हरजीत सिंह छाबड़ा, रमन हांडा सहित अनेक व्यापारी उपस्थित थे इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने कहा बड़ी खुशी की बात है जिस प्रकार भाजपा पूरे बहुमत के साथ दिल्ली में आई है। इससे व्यापारियों में उम्मीद जगी है के आने वाले समय में बड़ी खुशी की बात है जिस प्रकार भाजपा पूरे बहुमत के साथ दिल्ली में आई है। इससे व्यापारियों में उम्मीद जगी है के आने वाले समय में दिल्ली में केंद्र सरकार व दिल्ली सरकार मिलकर तेजी से विकास करेगी और जो भी मुख्यमंत्री बनेंगे उसको फेडरेशन का एक डेलिगेशन मिलकर सदर बाजार की समस्याओं से अवगत कराएगा और सदर बाजार विकास बोर्ड की मांग करेगा।

दिल्ली का नया मुख्यमंत्री कौन? रेस में ये चार नाम शामिल

परिवहन विशेष

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद अब अगले मुख्यमंत्री के नाम पर चर्चा शुरू हो गई है। दिल्ली प्रदेश भाजपा के चुनाव प्रभारी बैजयंत जय पांडा ने दिल्ली के नए सीएम की घोषणा को लेकर बड़ा बयान दिया है। इस आर्टिकल में हम मुख्यमंत्री पद के संभावित दावेदारों पर चर्चा करेंगे कि अगला सीएम कौन होगा?

नई दिल्ली, दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद अब अगले मुख्यमंत्री के नाम पर चर्चा शुरू हो गई है। भाजपा ने किसी को भी अपना चेहरा घोषित नहीं किया था।

इस कारण यह स्पष्ट नहीं है कि दिल्ली सरकार की कमान किस नेता के हाथ में होगी। दिल्ली विधानसभा के लिए 70 विधायक चुने जाते हैं। इनमें से 10 प्रतिशत को मंत्रिमंडल में स्थान मिलता है।

अगले 10 दिनों में मुख्यमंत्री का नाम होगा घोषित- बैजयंत जय पांडा

मुख्यमंत्री सहित सात मंत्री होते हैं। दिल्ली प्रदेश भाजपा के चुनाव प्रभारी बैजयंत जय पांडा (Baijayant Panda) का कहना है कि अगले 10 दिनों में मुख्यमंत्री का नाम घोषित हो जाएगा। लेकिन, कई नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री के नाम पर निर्णय इससे पहले कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री के साथ ही उपमुख्यमंत्री पद भी किसी को मिल सकता है। इसी वर्ष बिहार में चुनाव है। विधानसभा चुनाव प्रचार में पूर्वांचलियों को लेकर खूब राजनीति हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव प्रचार के साथ ही चुनाव के बाद के अपने भाषण में पूर्वांचलियों का उल्लेख किया है। इससे किसी पूर्वांचली को उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है।

दिल्ली के CM पद के दावेदारों में इन नेताओं के नाम लिए जा रहे हैंः-

प्रवेश वर्माः पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा (Parvesh Verma) ने नई दिल्ली सीट से आप संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पराजित किया है। वह पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के पुत्र हैं। केजरीवाल को हराने के कारण उनकी मजबूत दावेदारी है।

वह दो बार सांसद व एक बार विधायक रह चुके हैं। इन्हें मुख्यमंत्री बनाकर दिल्ली देहात के साथ ही राजस्थान, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाटों को संदेश दिया जा सकता है।

विजेंद्र गुप्ताः दिल्ली विधानसभा के निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता (Vijendra Gupta) वर्ष 2015 व 2020 में जब आप की लहर थी उस समय भी रोहिणी से विधायक चुने गए थे। पार्टी ने उन्हें 2015 में भी नेता प्रतिपक्ष बनाया था। इन्हें मुख्यमंत्री बनाकर पार्टी वैश्य समाज में अपनी पकड़ को और मजबूत कर सकती है।

रेखा गुप्ताः शालीमार बाग से चुनाव जीतने वाली रेखा गुप्ता (Rekha Gupta) भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। प्रदेश भाजपा की पूर्व महामंत्री रहने के साथ ही वर्तमान समय में निगम पार्षद हैं।

आशीष सूदः जनकपुरी से विजयी रहे आशीष सूद (Ashish Sood) दिल्ली में पार्टी के पंजाबी चेहरा हैं। प्रदेश भाजपा में महामंत्री व उपाध्यक्ष रह चुके हैं। इस समय गोवा व जम्मू कश्मीर के सह प्रभारी हैं।

दिल्ली में भाजपा की प्रचंड जीत के लिए शीर्ष नेतृत्व एवं मतदाता बधाई के पात्र:पेरिका सुरेश

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय सोशल मीडिया मेंबर पेरिका सुरेश ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत पर अपनी खुशी का इजहार करते हुए कहा कि यह शीर्ष नेतृत्व की रणनीति एवं दिल्ली की प्रबुद्ध मतदाताओं के अथक प्रयास से संभव हो सका है।श्री सुरेश ने कहा कि दिल्ली से आपदा की विदाई हो गई हैं और पूरी दिल्ली में कमल खिला है। झूठ,फरेब एवं मक्कारी की सरकार का जनता ने सुफ़रा साफ साफ कर दिया हैं।श्री सुरेश ने भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ जीत की जश्न मनायी।उन्होंने दिल्ली के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया जिन्होंने आपदा की विदाई में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली प्रदेश भाजपा की सरकार देश की राजधानी के सर्वांगीण विकास के लिए तेजी से काम करेगी तथा जनता की आकांक्षाओं पर यह सरकार पूरी तरह से खरी उतरेगी।उन्होंने उत्तर प्रदेश के मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत पर भी मतदाताओं को अपनी शुभकामना दी और कहा कि देश आज राष्ट्रवाद एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर विश्वास करता है।यह भाजपा की जीत नहीं आम जनता की जीत है, राष्ट्रवाद की जीत है, ईमानदारी एवं सुशासन की जीत है।

आईएफईएक्स 2025: भारत की अखिल भारतीय फाउंड्री प्रदर्शनी का 21वां संस्करण कोलकाता पहुंचा

सुषमा रानी

नई दिल्ली। कोलकाताः भारत के फाउंड्री उद्योग के लिए समर्पित प्रदर्शनी, IFEX 2025 के 21वें संस्करण का आयोजन 9 से 11 फरवरी 2025 तक पश्चिम बंगाल के प्रतिष्ठित बिस्वा बांग्ला मेला प्रांगण, कोलकाता में किया जाएगा। इस एक्सपो का आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन फाउंड्रीमेन (IIF) और इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट लिमिटेड (IEML), ग्रेटर नोएडा द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इस एक्सपो का उद्घाटन डॉ. शशि पांजा, माननीय मंत्री, उद्योग, वाणिज्य एवं उद्यम विभाग और महिला एवं बाल विकास एवं सामाजिक कल्याण, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा 9 फरवरी 2025 को प्रातः 9:30 बजे किया जाएगा। IFEX 2025 के चेयरमैन रवि सहगल ने इस आयोजन की घोषणा करते हुए कहा कि भारतीय फाउंड्री सेक्टर के प्रमुख कार्यक्रम के रूप में यह एक्सपो नवाचार, उन्नति और सहयोग के लिए एक बड़ा मंच है, जो इस उद्योग के भविष्य को आकार देगा। उन्होंने कहा, 'हर वर्ष आयोजित होने वाला IFEX, फाउंड्री और कास्टिंग उद्योग के लिए एक आवश्यक कार्यक्रम बन चुका है, जो भारत और दुनिया भर से निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं, टेक्नोलॉजी प्रदाताओं और विचारशील नेताओं को आकर्षित करता है। यह व्यापक व्यापार प्रदर्शनी फाउंड्री इकोसिस्टम के हर पहलू को कवर करती है, जिसमें कच्चे माल से लेकर उन्नत मशीनरी और अत्याधुनिक तकनीकों तक सब कुछ शामिल है।'

IEML के चेयरमैन डॉ. राकेश कुमार ने जानकारी दी कि IEML नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, और IFEX 2025 फाउंड्री सेक्टर की प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, 'फाउंड्री उद्योग भारत के विनिर्माण क्षेत्र का एक अनिवार्य हिस्सा है, जो ऑटोमोटिव, रक्षा, रेलवे, एयरोस्पेस और अन्य क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण घटकों की आपूर्ति करता है। IFEX 2025 उद्योग जगत के अग्रणी लोगों को अपने नवीनतम उत्पादों, तकनीकों और नवाचारों को प्रदर्शित करने का अवसर देगा, साथ ही प्रदर्शकों, प्रतिनिधियों और आगंतुकों के बीच प्रभावी बातचीत को प्रोत्साहित करेगा।' IEML के सीईओ सुदीप सरकार ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि यह कार्यक्रम उद्योग के पेशेवरों को जोड़ने, ज्ञान साझा करने और ऐसी अभिनव समाधानों की खोज करने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करेगा, जो फाउंड्री उद्योग के विकास को गति देगा।

फाउंड्री टेक्नोलॉजी, उपकरण, आपूर्ति और सेवाओं की प्रदर्शनी के साथ इस बार 73वें भारतीय फाउंड्री कांग्रेस भी आयोजित की जा रही है, जो भारतीय और विदेशी कंपनियों को अपनी नवीनतम तकनीकों, उपकरणों और सेवाओं पर चर्चा के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करेगी। यह कार्यक्रम प्रमुख हितधारकों को आकर्षित करेगा, नए व्यापार अवसरों को उजागर करेगा और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही, Cast India Expo, जो IFEX 2025 और 73वें भारतीय फाउंड्री कांग्रेस के साथ आयोजित किया जा रहा है, भारत भर की फाउंड्री कंपनियों के लिए अपनी क्षमता और विशेषज्ञता प्रदर्शित करने का एक समर्पित मंच होगा। यह भारतीय फाउंड्री उद्योग को वैश्विक खरीदारों के साथ जोड़ने और मजबूत व्यावसायिक सहभागिता एवं साझेदारी को बढ़ावा देने का अवसर देगा।

अरावली ग्रीन वॉल पर शुरू हुआ काम, बढ़ेगी हरियाली, भूजल स्तर में होगा सुधार

आर्बरेटम, अरावली मूल प्रजाति की नर्सरी और व्याख्यान केंद्र की आधारशिला रखी

गुरुग्राम। अरावली ग्रीन वॉल पर काम अब शुरू हो गया है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने बीएसएफ के भोंडसी स्थित नेचर कैंप में अरावली के मूल पेड़ और दुर्लभ पेड़-पौधों के संरक्षण के लिए बनाए जा रहे आर्बरेटम, देशी पौधों की नर्सरी और अरावली व्याख्यान केंद्र की आधारशिला रखी।

केंद्रीय मंत्री राज्य जैव विविधता बोर्ड और द नेचर कंजर्वेंसी इंडिया सॉल्यूशंस के तत्वावधान में आयोजित अरावली ग्रीन वॉल पार्टनरशिप शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए गुरुग्राम पहुंचे थे। अरावली पर्वत श्रृंखला में क्षरित भूमि के पुनर्वास, भूजल स्तर में बढ़ोतरी, जैव विविधता संरक्षण को बढ़ाने और स्थायी भूमि उपयोग के लिए सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से गुरुग्राम में तीन दिवसीय अरावली ग्रीन वॉल पार्टनरशिप शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। आने वाले दिनों में आर्बरेटम, अरावली के मूल पौधों की नर्सरी और अरावली व्याख्यान केंद्र अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट के साथ अरावली जंगल सफारी और अंडमान निकोबार प्रतिपूर्ति योजना जैसी पौधरोपण और वन संरक्षण की योजना का हिस्सा होंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि इस बात के स्पष्ट प्रमाण हैं कि यदि हम प्रकृति को उसके तरीके से धैर्यपूर्वक रूप में विकसित होने देंगे तो निश्चित रूप से मानव जाति को इसका सकारात्मक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि अरावली के संरक्षण को लेकर सामूहिक प्रयास में हम सभी को अपना योगदान करना चाहिए। अरावली ग्रीन वाल परियोजना के तहत भविष्य में गुरुग्राम और आस-पास के जिलों की सामाजिक, धार्मिक, शिक्षण और अन्य संस्थाएं मिलकर अरावली के विकास में कार्य करेंगे। इससे क्षेत्र में इको टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ग्रीन अरावली अभियान को लेकर पूर्णतः सक्रिय है, जिसमें अरावली के विभिन्न चिन्हित बिंदुओं पर ईको रेस्टोरेशन का काम भी सफलता पूर्वक किया गया है।

जल निकायों पर कॉफी टेबल बुक का विमोचन

प्रदेश के वन, पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट से हरियाली तो बढ़ेगी ही भूजल स्तर में भी सुधार होगा। उन्होंने नागरिकों से जंगल को बचाने में भी सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जंगल प्राकृतिक होते हैं। इसलिए पेड़-पौधे तो लगाए जा सकते हैं, लेकिन जंगल नहीं बनाया जा सकता है। वन विभाग भी इस दिशा में गंभीरता से पहल कर रहा है। आम लोग भी अपने-अपने स्तर से जल संचयन के लिए प्रयास करें और इस अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दें। इस दौरान केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने गुरुग्राम शहर के जल निकायों पर कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। सम्मेलन में अरावली संरक्षण के लिए सहयोग के रूप में हरियाणा सरकार के राज्य वन विभाग और सांकला फाउंडेशन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए गए। कार्यक्रम में वन, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार में महानिदेशक एसके अवस्थी, राज्य जैव विविधता बोर्ड, पीसीसीएफ के सह सदस्य सचिव डॉ. विवेक सक्सेना, प्रधान मुख्य वन संरक्षक विनीत गर्ग, द नेचर कंजर्वेंसी इंडिया सॉल्यूशंस (एनसीआईएस) की प्रबंध निदेशक डॉ. अंजलि आचार्य, हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड के अध्यक्ष रणदीप सिंह जौहर गुरुग्राम मंडल के वन संरक्षक डॉ. सुभाष यादव सहित कई विशेषज्ञ मौजूद थे।

क्यों महत्वपूर्ण है अरावली की ग्रीन वॉल

पश्चिम के रेगिस्तान और पूर्व के मैदानों के बीच सीना तान कर खड़ी अरावली की प्राचीनतम पर्वतमाला का अवैध क्षरण जहां तेजी से हुआ है, वहीं हरियाणा की जमीन भी मरुस्थल होने लगी है। इस अवैध खनन के कारण थार के रेगिस्तान को रोकने में अरावली की यह पर्वतमाला अब हांफती नजर आ रही है। भारतीय अंतरिक्ष एवं अनुसंधान संगठन इसरो की यह रिपोर्ट चौंकाने वाली है कि हरियाणा राज्य के कुल क्षेत्रफल का करीब 8.2 फीसदी हिस्सा सूख चुका है। यानी करीब 3.6 लाख हेक्टेयर जमीन मरुस्थल बनने लगी है। हिसार जिले में स्थित भादरा गांव की रेतीली होती जा रही जमीन इसका जीता जागता प्रमाण है। भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग में स्थित अरावली पर्वत श्रृंखला गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली से होकर लगभग 692 किमी तक फैली हुई है। इसी अरावली का क्षरण रोकने के लिए अब गुजरात से दिल्ली तक पेड़-पौधे लगाकर पांच किलोमीटर चौड़ी हरित दीवार बनाने की योजना है।

संशोधित - एसीबी की टीम ने तीन लाख रुपये की रिश्वत लेते पंचायत सचिव को किया गिरफ्तार

परिवहन विशेष न्यूज

- आरोपी को एक दिन की पुलिस रिमांड पर आज होगी अदालत में पेशी

गुरुग्राम। एंटी करप्शन ब्यूरो गुरुग्राम की टीम ने तीन लाख रिश्वत लेते हुए पंचायत सचिव हसीन को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। बृहस्पतिवार को की गई इस कार्रवाई के बाद एसीबी की टीम ने आरोपी को शुक्रवार को अदालत में पेश कर एक दिन की रिमांड पर लिया है।

इस मामले में फिरोजपुर झिरका निवासी जुबैर ने एसीबी को दी गई शिकायत में आरोप लगाया था कि वह कार्यालय उप मंडल अधिकारी (ना.) फिरोजपुर झिरका में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत था। उसी दौरान उसकी नगीना में ग्राम पंचायत करहेडा के सरपंच रामपाल से मुलाकात हुई थी। रामपाल की कक्षा-आठवीं के अंकपत्र के एक मामले की जांच एसडीएम ऑफिस में चल रही थी।

जुबैर ने एसीबी को बताया कि सरपंच ने उससे जांच पक्ष में करवाने के लिए सिफारिश की। इस पर उसने पंचायत सचिव हसीन से बात की तो उसने पक्ष में जांच कराने की एवज में तीन लाख रुपयों की मांग की।

शिकायतकर्ता जुबैर की शिकायत पर एसीबी की टीम ने आरोपी सचिव को रंगेहाथ गिरफ्तार करने योजना पर काम किया। योजना के तहत तीन लाख रुपये लेकर जुबैर को सचिव के पास भेजा गया। जैसे ही जुबैर ने सचिव हसीन को तीन लाख रुपये दिए, वैसे ही वहां तैयार बैठी एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथों धर दबोचा। इस संबंध में थाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो गुरुग्राम में केस दर्ज किया गया है।

हिंडन एयरफोर्स में पकड़ा गया तेंदुआ, चार माह पूर्व ही एयरफोर्स ने की थी वन विभाग से शिकायत

परिवहन विशेष न्यूज

वन विभाग दो माह से लगातार हर रात हिंडन एयरफोर्स स्टेशन में जहां एयरक्राफ्ट खड़े होते हैं उससे करीब ढाई किलोमीटर अंदर पिंजड़ा लगाता था। पिछले दो महीने से हर शाम छह बजे ही चारे के रूप में एक कुत्ता पिंजड़े के अंदर डाल दिया जाता था।

हिंडन एयरबेस में दो माह की मशक्कत के बाद वन विभाग की पकड़ में तेंदुआ आ गया। वन विभाग ने तेंदुए को सुरक्षित शिवालिक की पहाड़ियों से पकड़ा। हिंडन एयरबेस में तेंदुआ होने की शिकायत भारतीय वायु सेना(आईएएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों ने नवंबर 2024 में ही वन विभाग से की थी। वन विभाग ने तभी से यहां पिंजरा रखा हुआ था। वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजड़े में तेंदुआ शुक्रवार की सुबह फंसा दिखा।

वन विभाग दो माह से लगातार हर रात हिंडन एयरफोर्स स्टेशन में जहां एयरक्राफ्ट खड़े होते हैं उससे करीब ढाई किलोमीटर अंदर पिंजड़ा लगाता था। डीएफओ ईशा तिवारी ने बताया कि शुक्रवार की सुबह एयरफोर्स से फोन आया कि पिंजड़ा में तेंदुआ फंसा हुआ है। सूचना मिलते ही टीम को वहां भेजा गया, टीम तेंदुए को लेकर शिवालिक पहुंची और वहां उसे सुरक्षित छोड़ दिया गया है। हिंडन एयरबेस में तेंदुआ के पकड़े जाने की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

तीन से चार वर्ष का है तेंदुआ

वन विभाग के इंस्पेक्टर रामवीर सिंह चौहान ने बताया कि तेंदुए की उम्र करीब तीन से चार वर्ष की है। उसे पकड़कर शिवालिक की पहाड़ियों में मौजूद राजा जी नेशनल पार्क में छोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि पिछले दो महीने में तेंदुए को पकड़ने के लिए कई बार गश्त भी किया गया, लेकिन घना जंगल होने के कारण तेंदुआ पकड़ में नहीं आ रहा था।

दूसरी तरफ रनवे से रोजाना उड़ने वाली उड़ानों की सुरक्षा को भी खतरा था कि यदि गलती से उड़ान के दौरान यह किसी एयरक्राफ्ट के रास्ते में आ जाए तो बड़ी दुर्घटना घट सकती है। हिंडन एयरफोर्स के अंदर आवासीय परिसर और स्कूल भी हैं। ऐसे में यहां रहने वाले लोगों को भी खतरा हो सकता था।

नोएडा एयरपोर्ट की उड़ान पर मुहर, एयरस्पेस में तय हुआ रूट

- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने एयरस्पेस और इंस्ट्रूमेंट फ्लाइट प्रोसीजर को किया तैयार
- डीजीसीए से अनुमोदन के बाद अब विमानन कंपनियां घोषित कर सकती हैं अपने डेस्टिनेशन

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ान के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने एयरस्पेस तैयार लिया है। एयरपोर्ट के व्यावसायिक संचालन के लिए यह बड़ी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एएआई ने बीते 9 दिसंबर को उड़ान को सत्यापित करते हुए हवाई क्षेत्र के डिजाइन और उड़ान प्रक्रियाओं पर मुहर लगा दी है। इंटरनेशनल एयरपोर्ट परियोजना के लिए एयरस्पेस और इंस्ट्रूमेंट फ्लाइट प्रोसीजर (आईएफपी) को तैयार किया गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि अब जल्द ही नोएडा एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली विमानन कंपनियां अपने गंतव्यों की घोषणा कर सकती हैं। इसके साथ ही अप्रैल से उड़ान शुरू करने के लिए टिकटों की बुकिंग भी शुरू हो सकती है।

देश के सबसे व्यस्त इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नजदीक बने नोएडा एयरपोर्ट के एयर रूट को स्वतंत्र रूप से तैयार किया गया है। इससे दोनों एयरपोर्ट की एक दूसरे पर निर्भरता नहीं होगी। दोनों हवाई अड्डे से विमान सेवाएं अपने-अपने पर मार्ग उड़ान भरेंगी। एयरपोर्ट के हवाई रूट तय होने के साथ ही विमानन कंपनियां अपनी सेवाओं के लिए रूट का निर्धारण करेंगी। उम्मीद जताई जा रही है कि अप्रैल में व्यावसायिक उड़ान वाले विमानों में टिकट की बुकिंग की तिथि जल्द ही घोषित कर दी जाएगी। इसी के साथ ही नोएडा एयरपोर्ट के संचालन के लिए लाइसेंस और एयरड्रोम लाइसेंस की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। उम्मीद जताई जा रही है कि मार्च तक नागर विमानन महानिदेशालय इन दोनों लाइसेंस की प्रक्रिया पर मुहर लगा देगा। पहले दिन 9 दिसंबर को नोएडा एयरपोर्ट से 30 विमानों के संचालन की योजना है। इसमें 25 घरेलू, दो अंतरराष्ट्रीय और दो कार्गो सेवा शुरू की जाएंगी। मार्च तक संचालन संबंधी सारी औपचारिकताएं पूरी हो सकती हैं।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का रूट इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन करेगा तय

नोएडा एयरपोर्ट से घरेलू उड़ानों के लिए रूट निर्धारण की प्रक्रिया नागर विमानन महानिदेशालय कर रहा है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का रूट इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन को तय करना है। एएआई की ओर से तय एयरस्पेस में ईंधन की बचत, दो गंतव्यों के बीच कम दूरी और पड़ोसी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर विमानों के बीच सुरक्षित उड़ान का खास ख्याल रखा गया है। एएआई ने बोइंग इंडिया के साथ मिलकर इस एयरस्पेस रूट पर काम किया और बेंगलुरु में उनके टोटल एयरस्पेस एंड एयरपोर्ट मॉडलर (टीएएएम) का उपयोग किया।

कई शहरों के लिए वरदान बनेगा एयरपोर्ट

नोएडा एयरपोर्ट बुलंदशहर से 36 किमी, गाजियाबाद से 60 किलोमीटर, ग्रेनो से करीब 30 किलोमीटर, गुरुग्राम से 65 किलोमीटर और आगरा से 130 किमी दूर है। ऐसे में यह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का बड़ा विकल्प होगा, जो अभी पूरी क्षमता से काम कर रहा है। इसके साथ ही नोएडा एयरपोर्ट ग्रेनो एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा। साथ ही दिल्ली और नोएडा मेट्रो और रैपिड रेल कनेक्टिविटी भी होगी। इसके पास ही बड़ा लॉजिस्टिक हब भी बनाया जाएगा।

देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा नोएडा

नोएडा एयरपोर्ट देश का सबसे बड़ा और दुनिया तीसरे नंबर का एयरपोर्ट होगा। इसमें दो रनवे के बीच की दूरी 24 सौ मीटर होगी। विमानन कंपनी एयर इंडिया, स्पाइस जेट, इंडिगो और अकाशा ने अपनी भविष्य की कार्ययोजना के लिए ज्यूरिख को साझा किया है। इसमें भविष्य की जरूरतों को देखते हुए विमानन कंपनियों ने अपनी रिपोर्ट दी है और बताया कि भले ही देश और दुनिया में 15 सौ से 16 सौ मीटर की दूरी पर रनवे का निर्माण किया जा रहा है, मगर इस्तांबुल और बीजिंग में बन रहे एयरपोर्ट ने नए मानक तय किए हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और बोइंग इंडिया ने नोएडा एयरपोर्ट के लिए आगमन और प्रस्थान प्रोटोकॉल का आकलन और पुष्टि की है। दिल्ली हवाई अड्डे के मौजूदा संचालन के साथ इन नए हवाई अड्डे पर सुरक्षित और कुशल परिचालन को ध्यान में रखकर एयरस्पेस तय किया गया है।

केंद्रीय वित्तीय कैबिनेट ने नए आयकर अधिनियम 2025 (डायरेक्ट टैक्स कोड 2025) को मंजूरी दी

नया आयकर अधिनियम 2025 संसद में पेश होगा-बिल वित्त पर बनी संसदीय स्थाई समिति के पास भेजने की संभावना
नए बिल में संभावित कुछ ऐसे प्रावधान प्रस्तावित है जो कार्यकारी आदेशों के माध्यम से कटौती या छूट की सीमा और राशियों को बदलने की अनुमति देंगे

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सभी देशों के विकास के साधन के रूप में प्राथमिकता वित्त को दी जाती है,तथा वित्त का ढांचा बजट के पहियों पर आत्मा के रूप में समाहित होता है, जो किसी भी देश के विकास की दिशा को निर्धारित करता है,उसे सशक्त बनाता है, क्योंकि देश के विकास की राह पर चलने के लिए रुपए/डॉलर की आवश्यकता होती है, जो बजट के माध्यम से तय किया जाता है कि किस क्षेत्र में कितना पैसा मिलेगा।अभी हमने 1 फरवरी 2025 को बजट के सभी प्रावधानों का बारीकी से अध्ययन करके देखें कि किस क्षेत्र को कितना एलोकेशन किया गया है।चूँकि बजट में माननीय वित्तमंत्री ने घोषणा की थी कि एक सप्ताह के भीतर एक नया आयकर अधिनियम 2025 लाया जाएगा, इसलिए ही आज दिनांक 7 फरवरी 2025 को देर रात्रि केंद्रीय वित्तीय कैबिनेट ने आयकर अधिनियम 2025 (डायरेक्ट टैक्स कोड 2025) को मंजूरी दी। इसे अब संभावित सोमवार को संसद के पटल पर रखा जाएगा व वित्त पर संसदीय स्थाई समिति के पास भेजने की प्रबल संभावना है,जिसमें नए बिल में संभावित कुछ ऐसे प्रावधान प्रस्तावित है जो कार्यकारी आदेशों के माध्यम से कटौती या छूट की सीमा और राशियों को बदलने की अनुमति देंगे,इसलिए आज हम मीडियम उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,वित्तीय कैबिनेट ने नए आयकर अधिनियम 2025 (डायरेक्ट टैक्स कोड 2025) को मंजूरी दी।

साथियों बात अगर हम नए आयकर अधिनियम 2025 को लागू करने की करें तो,पीएम की अध्यक्षता वाली केंद्रीय वित्तीय कैबिनेट ने नए इनकम टैक्स बिल 2025 (डायरेक्ट टैक्स कोड बिल 2025) को मंजूरी दे दी है। इस बिल को केंद्रीय कैबिनेट ने शुक्रवार देर रात मंजूरी दी है। मीडिया केमुताबिक यह बिल अब सोमवार को केंद्रीय वित्तमंत्री 9 फरवरी 2025 को लोकसभा में पेश करेंगी। लोकसभा में इस बिल को फिलहाल स्थायी समिति को भेजा जा सकता है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के साथ ही यह बिल छह दशक पुराने इनकम टैक्स कानून 1961 की जगह लेगा यानी नया इनकम टैक्स कानून बन जाएगा। वित्तमंत्री ने इस बिल के बारे में जानकारी देते हुए कहा था कि इसके पास होने से डायरेक्ट टैक्स कानून सरल बन जाएंगे। मौजूदा कानून के अस्पष्ट प्रावधान इसमें नहीं होंगे और इससे इनकम टैक्स से जुड़े मुकदमों की संख्या कम होगी अब संसद में होगा। बता दें कि संसद के मौजूदा बजट सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को खत्म हो रहा है।सत्र 10 मार्च को फिर शुरू होगा और चार अप्रैल तक चलेगा।नया बिल इनकम टैक्स से जुड़े उन सभी संशोधनों और धाराओं से मुक्त होगा जो अब प्रासंगिक नहीं हैं। साथ ही भाषा ऐसी होगी कि लोग इसे टैक्स एक्सपर्ट की सहायता के बिना समझ सकें। इस बिल में प्रावधान और स्पष्टीकरण या कठिन वाक्य नहीं होंगे। इससे मुकदमे बाजी कम करने में भी मदद मिलेगी और इस तरह विवादित टैक्स डिमांड में कमी आएगी। दरअसल, इनकम टैक्स लॉ लगभग 60 साल पहले 1961 में बनाया गया था और तब से समाज में, लोगों के पैसे कमाने के तरीके और कंपनियों के कारोबार करने के तरीके में बहुत सारे बदलाव हुए हैं। समय के साथ आयकर अधिनियम में संशोधन किए गए। देश के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने में तकनीकी प्रगति और बदलावों को देखते हुए, पुराने आयकर अधिनियम को पूरी तरह से बदलने की सख्त जरूरत है। नए बिल के लागू करने का मकसद भाषा और अनुपालन प्रक्रियाओं को सरल बनाना है। कहने का मतलब है कि नए कानून में इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव की संभावना नहीं है, क्योंकि यह आमतौर पर वित्त अधिनियम के माध्यम से किया जाता है। बता दें कि साल 2010 में प्रत्यक्ष कर संहिता विधेयक,2010 संसद में पेश किया गया था। इसे जांच के लिए स्थायी समिति के पास भेजा गया था। हालांकि, 2014 में सरकार बदलने के कारण विधेयक निरस्त हो गया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार (7 फरवरी, 2025) को नए इनकम टैक्स बिल को मंजूरी दे दी, यह बिल छह दशक पुराने आईटी अधिनियम की जगह लेगा। नया बिल इनकम टैक्स से जुड़े उन सभी संशोधनों और धाराओं से मुक्त होगा जो अब प्रासंगिक नहीं हैं। साथ ही भाषा ऐसी होगी कि लोग इसे टैक्स एक्सपर्ट की सहायता के बिना समझ सकें। इस बिल में प्रावधान और स्पष्टीकरण या कठिन वाक्य नहीं होंगे।इससेमुकदमेबाजी कम करने में भी मदद मिलेगी और इस तरह विवादित टैक्स डिमांड में कमी आएगी।

साथियों बात अगर हम विकसित भारत की ओर कदम बढ़ाने, अर्थव्यवस्था को गति देने, 7 फरवरी 2025 को आरबीआई द्वारा रेपो रेट में कमी करने की करें तो आरबीआई ने शुक्रवार को सुस्त पड़ रही अर्थव्यवस्था को गति देने के मकसद से लगभग पांच साल बाद प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.25 प्रतिशत घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया। रेपो रेट घटने का मतलब है कि मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में कमी आने की उम्मीद है।मार्च तिमाही के लिए स्थिर हैं ब्याज दरें मार्च तिमाही के लिए छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। बता दें कि सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर है। तीन साल की सावधि जमा पर दर तीसरी तिमाही में दी जा रही 7.1 प्रतिशत पर है। इसके अलावा पीपीएफ और डाकघर बचत जमा योजनाओं की ब्याज दरें भी क्रमशः7.1 प्रतिशत और चार प्रतिशत पर बरकरार रखी गई हैं।वहीं, किसान विकास पत्र पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत जब राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) पर ब्याज दर 7.7 प्रतिशत पर बरकरार है। मासिक आय योजना में निवेश पर 7.4 प्रतिशत ब्याज मिलता है।अगर पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और सुकन्या समृद्धि जैसी छोटी बचत योजनाओं में निवेश करते हैं तो ये खबर आपको निराश कर सकती है। दरअसल, सरकार नए वित्त वर्ष यानी एफ वाय 26 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून की अवधि के लिए छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दर कम कर सकती है। बता दें कि भारतीय रिजर्व बैंक(आरबीआई) ने रेपो रेट में कटौती की है। इसके बाद खपत को बढ़ावा देने के लिए वित्त मंत्रालय अगले वित्तीय वर्ष में छोटी बचत योजनाओं के लिए दरें कम करने पर विचार कर सकता है। बिजनेस स्टैंडर्ड की खबर में सरकारी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है।

साथियों बात अगर हम अर्थव्यवस्था को गति देने में भारत के बहुत बड़े उद्योग समूह द्वारा पुत्र की शादी को सिंपल रूप से कर 10 हज़ार करोड़ सरकार को दान देने की करें तो, एक उद्योग समूह के चेयरमैन के छोटे बेटे जीत और दिवा शाह परिणय सूत्र में बंध गए हैं।अरबपति उद्योगपति ने न केवल शादी को साधारण रखा बल्कि 10,हज़ार करोड़ रुपये का दान भी दिया। उनके दान का बड़ा हिस्सा हेल्थकेयर, एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट पर खर्च होने वाला है। समूह का ये प्रयास समाज के सभी वर्गों को किफायती विश्व स्तरीय अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों की सुविधा मुहैया कराने पर केंद्रित है। इसके अलावा किफायती शीर्ष स्तरीय के-12 स्कूलों और सुनिश्चित रोजगार क्षमता के साथ अपग्रेडेड ग्लोबल स्किल एकेडमी के नेटवर्क तक पहुंच का प्रयास किया जाएगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि केंद्रीय वित्तीय कैबिनेट ने नए आयकर अधिनियम 2025 (डायरेक्ट टैक्स कोड 2025) को मंजूरी दी।नया आयकर अधिनियम 2025 संसद में पेश होगा-बिल वित्त पर बनी संसदीय स्थाई समिति के पास भेजने की संभावना।नए बिल में संभावित कुछ ऐसे प्रावधान प्रस्तावित है जो कार्यकारी आदेशों के माध्यम से कटौती या छूट की सीमा और राशियों को बदलने की अनुमति देंगे।

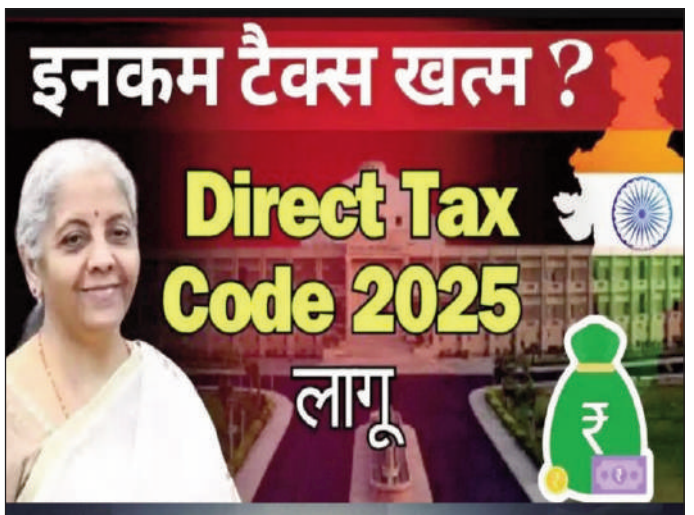

किसमें होगा फायदा? फास्टैग का एनुअल पास लेने में या बार-बार रिचार्ज पर

परिवहन विशेष न्यूज

फास्टैग वार्षिक पास vs फास्टैग रिचार्ज सरकार की तरफ से फास्टैग को लेकर नया नियम लाने पर विचार कर रही है। इसके तहत सालाना पास और लाइफटाइम टोल पास लेने की सुविधा मिलेगी। इस सुविधा के आने के बाद सरकार को भी टोल कनेक्शन करना आसान हो जाएगा। वहीं इस नियम के आने के बाद टोल प्लाजा पर लगने वाली गाड़ियों की लंबी लाइन से भी छुटकारा मिलेगा।

नई दिल्ली। भारत सरकार जल्दी ही FASTag को लेकर नया नियम लाने की प्लानिंग कर रही है। FASTag का नया नियम आने के बाद लोगों को काफी फायदा होने वाला है। लोगों को FASTag को बार-बार रिचार्ज करने से लेकर टोल प्लाजा के पास गाड़ियों की लंबी-लंबी लाइन से छुटकारा भी मिलेगा, लेकिन अब सवाल उठता है कि लोगों को सालाना पास लेने में ज्यादा फायदा मिलेगा या फिर FASTag को बार-बार रिचार्ज करने में। आइए इसके बारे में विस्तार में जानते हैं।

कितने में बनेगा FASTag Toll Pass?

सरकार की तरफ से सालाना और लाइफटाइम टोल पास लाने पर विचार कर रही है। सालाना पास के लिए लोगों को महज 3000 रुपये का भुगतान करना पड़ेगा और लाइफटाइम टोल पास बनवाने के लिए 30 हजार रुपये की वन टाइम पेमेंट करनी होगी, इससे लोगों का 15 साल के लिए टोल पास बन जाएगा।

नए FASTag Rule से किसे मिलेगा फायदा?

FASTag का यह नया नियम आने के बाद उन लोगों को काफी ज्यादा फायदा (FASTag benefits) होगा, जो ज्यादातर रोड ट्रिप पर जाना पसंद करते हैं और उन लोगों को होगा जो अपनी निजी कार के ट्रैवल करना पसंद करते हैं। ऐसे लोगों के लिए यह नियम फायदेमंद होने वाला है। दरअसल, जब आप कम से कम 200 किमी या किसी लंबी दूरी की सफर पर जाते हैं तो 700-800 रुपये भी टोल के रूप में कट जाते है। जो लोग अक्सर सफर करते हैं उनके लिए टोल किराया काफी महंगा पड़ता है। जब यह नया नियम आ जाएगा तो केवल 3 हजार रुपये में साल भर के लिए टोल पास (FASTag annual pass) बन जाएगा और निजी वाहनों के मालिकों को टोल पास से अनलिमिटेड एक्सेस मिल सकता है। इसकी वजह से उन्हें काफी फायदा होगा।

इनको होगा नुकसान

FASTag के इन नियम के आने के बाद उन लोगों को फायदा नहीं मिलेगा, जो अपनी निजी वाहन से साल में केवल एक या दो बार ही किसी सफर पर निकलते हैं। उनके लिए सालभर का तीन हजार रुपये का टोल पास लेना महंगा पड़ेगा। ऐसे लोग अपने FASTag कार्ड को रिचार्ज (FASTag recharge) करके टोल क्रॉस कर सकते हैं।

सरकार को क्या होगा फायदा

FASTag का यह नियम आने के बाद सरकार को टोल कनेक्शन करना आसान हो जाएगा। इसके साथ ही जो टोल पास पर गाड़ियों की लंबी-लंबी लाइन देखने के लिए मिलती है उससे लोगों को छुटकारा मिल जाएहा। वहीं, लोगों को लाइफटाइम टोल पास को लेने के बाद टोल प्लाजा पर कभी भी टैक्स भरने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

गुरुग्राम में होगा भारत का सबसे बड़ा विंटेज कार शो, जानें आप कैसे हो सकते हैं शामिल

गुरुग्राम में 21 से 23 फरवरी तक 11वें कॉनकोर्स डी एलिगेंस कार शो का आयोजन किया जाएगा। इस शो में 125 से अधिक विंटेज कारें और 50 मोटरसाइकिलें प्रदर्शित की जाएंगी।

गुरुग्राम 21 से 23 फरवरी तक 21 गन सल्यूट कांकर्स डी'एलिगेंस (21 Gun Salute Concours d'Elegance) के 11वें संस्करण की मेजबानी करेगा। यह भारत का सबसे बड़ा विंटेज और क्लासिक कार शो है। जहां ऑटोमोबाइल प्रेमियों को लुभाने के लिए ऐतिहासिक कारों और मोटरसाइकिलों की एक श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी।

यह तीन दिवसीय आयोजन इंडिया गेट से एंबियंस ग्रीन्स, गोल्फ कोर्स, गुरुग्राम तक एक कार रैली के साथ शुरू होगा। इस साल के संस्करण में 125 विंटेज और क्लासिक कारों के साथ 50 हेरिटेज मोटरसाइकिलें भी शामिल होंगी।

कौन-कौन सी विंटेज कारें देखने को मिलेंगी?

इस शो की सबसे खास कार 1939 डेलाहे (फिगोनी एट फलास्की) होगी, जिसे अपनी शानदार डिजाइन और क्राफ्ट्समैनशिप के लिए जाना जाता है।

इसके अलावा, पहली बार प्रदर्शित होने वाली तीन क्लासिक कारें होंगीः

1932 लैंसिया अस्टूरा पिनिनफेरिना (Lancia Astura Pininfarina)

1936 एसी 16/70 स्पोर्ट्स कूपे (AC 16/70 Sports Coupe)

1948 बेंटले मार्क 6 ड्रॉपहेड कूपे (Bentley Mark 6 Drophead Coupe)

इसके अलावा, रोल्स-रॉयस, बेंटले, कैडिलैक, फोर्ड और एस्टन मार्टिन जैसी मशहूर कंपनियों की विंटेज कारें भी शो में नजर आएंगी।

आप कैसे हो सकते हैं शामिल?

ऑनलाइन टिकट खरीदेंः आप शो की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर टिकट खरीद सकते हैं।

टिकट की कीमतः हर दिन के लिए अलग-अलग टिकट होंगे, जिनकी कीमत 500 रुपये प्रति दिन है।

रैली में भाग लेने की प्रक्रियाः अगर आप अपनी कार या बाइक को रैली में शामिल करना चाहते हैं, तो आपको आधिकारिक वेबसाइट पर पंजीकरण कराना होगा।

मनोरंजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे

यह शो सिर्फ कारों तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी इसकी खासियत होंगी। इसमें कथक, भरतनाट्यम, कथकली जैसे शास्त्रीय नृत्य और राजस्थान, उत्तराखंड, हरियाणा के लोक नृत्य भी शामिल होंगे। गुरुग्राम, अपनी आधुनिक सुविधाओं और ऑटोमोबाइल उद्योग के सहयोग से, विंटेज कार आयोजनों का एक प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है।

भारत को विंटेज कार पर्यटन में आगे बढ़ाना है लक्ष्य

21 गन सल्यूट हेरिटेज एंड कल्चरल ट्रस्ट के संस्थापक मदन मोहन ने कहा कि यह आयोजन भारत को विंटेज कार पर्यटन के वैश्विक नक्शे पर स्थापित करने का एक बड़ा प्रयास है। उन्होंने कहा, 'हर साल हम भारत को हेरिटेज मोटरिंग टूरिज्म में नई ऊंचाइयों पर ले जाने का लक्ष्य बना रहे हैं। इस साल का शो एक ऐतिहासिक स्तर पर आयोजित किया जा रहा है, जहां दुनिया भर से कुछ सबसे दुर्लभ और आकर्षक विंटेज और क्लासिक कारें देखने को मिलेंगी।'

उन्होंने यह भी बताया कि इस साल रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी की उम्मीद है, जहां दुनिया भर के कार संग्रहकर्ता, ऑटोमोबाइल प्रेमी और विंटेज कारों के शौकीन इस ऐतिहासिक शो का हिस्सा बनेंगे।

केटीएम 250 एडवेंचर vs सुजुकी वी-स्ट्रॉम एसएक्स: परफॉर्मेंस के मामले में कौन-सी एडवेंचर टूरिंग बाइक बेस्ट

परिवहन विशेष न्यूज

2025 KTM 250 Adventure Vs Suzuki V-Strom SX भारतीय बाजार में हाल ही में 2025 KTM 250 Adventure लॉन्च हुई। इसे कई बेहतरीन फीचर्स के साथ लॉन्च किया गया है। यह एक एडवेंचर टूरिंग मोटरसाइकिल है। इस सेगमेंट में इसका मुकाबला Suzuki V-Strom SX से देखने के लिए मिलेगा। आइए जानते हैं कि 2025 KTM 250 Adventure Vs Suzuki V-Strom SX दोनों में से कौन सी बाइक बेस्ट है।

नई दिल्ली। हाल ही में KTM ने भारतीय बाजार में अपनी 250 Adventure के 2025 मॉडल को लॉन्च किया है। इने नए फीचर्स के साथ अपडेट किया गया है और एडवेंचर के लिए पहले से बेहतर बनाया गया है। 250cc सेगमेंट में इसका मुकाबला Suzuki V-Strom SX से देखने के लिए मिलता है। दोनों ही एडवेंचर टूरिंग मोटरसाइकिल है और दोनों ही अपने-अपने तरीके में काफी खास है। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि 2025 KTM 250 Adventure और Suzuki V-Strom SX में कौन सी एडवेंचर टूरिंग मोटरसाइकिल कीमत, फीचर्स और इंजन के मामले में आपके लिए बेस्ट हो सकती है।

कीमत (Price)

KTM 250 Adventure: 2.59 लाख रुपये (एक्स-शोरूम)

Suzuki V-Strom SX: 2.11 लाख रुपये (एक्स-शोरूम)

डिज़ाइन (Design)

KTM 250 Adventure

इसका डिजाइन 390 Adventure से इंस्पायर है। इसमें लंबा वाइज़र, उच्च माउंटेड इंस्ट्रूमेंट कंसोल, पतला सीट, और बड़ा फ्यूल टैंक दिया गया है, जो इसे एक दमदार Dakar रैली मोटरसाइकिल जैसा लुक देता है। इसे व्हाइट और ऑरेंज कलर ऑप्शन में लेकर आया गया है।

Suzuki V-Strom SX

इसका डिजाइन V-Strom मॉडल्स से इंसपायर है। इसमें लंबी ऊंचाई, लंबा वाइज़र, फ्रंट बीक और एक टेल रैक जैसी एडवेंचर टूरिंग जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसे ग्लास स्पार्कल ब्लैक, चैंपियन येलो और मेटैलिक सोनोमा रेड कलर ऑप्शन में पेश किया जाता है।

परफॉर्मेंस (Performance)

KTM 250 Adventure

इसमें 249cc का सिंगल-सिलेंडर, लिक्विड-कूल्ड इंजन का इस्तेमाल किया गया है, जो 31PS पावर की पावर और 25Nm का टॉर्क जरनेट करता है। इसका इंजन 250 Duke से लिया गया है और यह स्मूथ पावर डिलीवरी के लिए जाना जाता है।

Suzuki V-Strom SX

इसमें 249cc का सिंगल-सिलेंडर, एयर और ऑयल-कूल्ड इंजन का इस्तेमाल किया गया है, जो 26.5PS की पावर और 22.2Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इस इंजन को अपनी रिफाईनमेंट और बेहतरीन पावर डिलीवरी के लिए जाना जाता है।

अंडरपिनिंग्स (Underpinnings)

KTM 250 Adventure

इसे एडवेंचर टूरिंग के लिए कई बेहतरीन फीचर्स से लैस किया गया है। इसमें WP Apex सस्पेंशन दिया गया है, जो 200mm ट्रैवल देता है। इसमें ब्रेकिंग के लिए 320mm फ्रंट और 240mm रियर डिस्क ब्रेक सेटअप दिया गया है। इसकी सीट 825mm ऊंची है, जो अधिकांश राइडर्स के लिए आरामदायक रहने वाली है। इसमें 232mm का ग्राउंड क्लीयरेंस और 14-लीटर फ्यूल टैंक दिया गया है।

Suzuki V-Strom SX

इसमें Gixxer 250 जैसा सस्पेंशन सेटअप दिया गया है, जिसमें टेलिस्कोपिक फोर्क और रियर मोनोशॉक को शामिल किया गया है। इसमें 120mm सस्पेंशन ट्रैवल दिया गया है। इसमें ब्रेकिंग के लिए 300mm फ्रंट और 220mm रियर डिस्क ब्रेक दी गई है। इसका ग्राउंड क्लीयरेंस 205mm है और 12-लीटर फ्यूल टैंक है।

फीचर्स (Features)

KTM 250 Adventure

इसमें 5-इंच का कलर TFT डिस्प्ले दिया गया है, जो स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, SMS/कॉल अलर्ट्स, और स्विचेबल IMU-आधारित कॉर्नरिंग ABS जैसे फीचर्स की जानकारी देता है। इसमें स्विचेबल ट्रैक्शन कंट्रोल, क्विकशिफ्टर, और क्रूज़ कंट्रोल समेत कई बेहतरीन फीचर्स दिए गए हैं।

Suzuki V-Strom SX

इसमें LED हेडलाइट्स और हैलोजन टेल लाइट्स दिए गए हैं। इसके साथ ही डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल दिया गया है, जिसमें स्पीड, RPM, टेम्परेचर, गियर पोजिशन और ट्रिप जैसी जानकारी मिलती है। इसमें स्मार्टफोन कनेक्टिविटी दी गई है, लेकिन इसमें टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन और SMS/कॉल अलर्ट्स का फीचर नहीं दिया गया है। यह बाइक ड्यूल-चैनल ABS के साथ आती है।

ह्यूंदै एक्सटर में नया SX टेक ट्रिम शामिल, फीचर्स में हुई बढ़ोतरी, जानें डिटेल्स

परिवहन विशेष न्यूज

(ह्यूंदै मोटर इंडिया) ने 2025 मॉडल ईयर के लिए अपनी Exter (एक्सटर) सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी लाइनअप को अपडेट किया है।

नई दिल्ली। (ह्यूंदै मोटर इंडिया) ने 2025 मॉडल ईयर के लिए अपनी Exter (एक्सटर) सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी लाइनअप को अपडेट किया है। इन अपडेट में एक नया SX Tech ट्रिम लेवल पेश करना, मौजूदा ट्रिम्स में फीचर में बढ़ोतरी और CNG विकल्पों का पुनर्गठन शामिल है। बेस EX वेरिएंट की शुरुआती कीमत करीब 6 लाख रुपये है, जबकि टॉप-टियर SX Tech डुअल-सिलेंडर CNG वेरिएंट अब करीब 10 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) पर पहुंच गया है।

SX टेक ट्रिमः नए फीचर्स के साथ नया वेरिएंट

हाल ही में पेश किया गया SX Tech ट्रिम मौजूदा SX(O) और SX(O) कनेक्ट ट्रिम के नीचे रणनीतिक रूप से पोजिशन किया गया है। यह पेट्रोल-मैनुअल, पेट्रोल-AMT और CNG-मैनुअल पावरट्रेन विकल्पों के साथ पेश किया गया है। SX Tech के अहम फीचर्स की बात करें तो, इसमें कीलेस एंट्री और गो, फ्रंट और रियर डैशकैम, सनरूफ, एंड्रॉइड ऑटो और एपल कारप्ले को सपोर्ट करने वाला 8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और प्रोजेक्टर हेडलैंप शामिल हैं।

हालांकि, इस ट्रिम में SX(O) वेरिएंट में पाए जाने वाले कुछ फीचर्स जैसे कि एम्बिएंट लाइटिंग, वायरलेस स्मार्टफोन चार्जर, लेदरेट अपहोल्स्ट्री, कूल्ड ग्लव बॉक्स और रियर वाइपर शामिल नहीं हैं। SX Tech की कीमत SX(O) से लगभग 50 हजार रुपये कम है।

S और S+ ट्रिम्स को मिले नए अपग्रेड

मिड-लेवल S ट्रिम में कई अपग्रेड किए गए हैं। जिसमें रियर कैमरा, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, व्हीकल स्टेबिलिटी मैनेजमेंट और हिल-स्टार्ट असिस्ट जैसे बेहतर सुरक्षा फीचर शामिल हैं। S और S+ दोनों ट्रिम में अब 15-इंच ड्यूल-टोन व्हील कवर और एंड्रॉइड ऑटो और एपल कारप्ले को सपोर्ट करने वाला 8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम है।

S+ ट्रिम में रियर कैमरा, सनरूफ, रियर एसी वेंट और पावर-एडजेस्टेबल एक्सटीरियर रियरव्यू मिरर भी हैं। S और S+ ट्रिम की कीमत को उसी के मुताबिक एडजस्ट किया गया है।

CNG वेरिएंट्स में बदलाव

एक्सटर सीएनजी लाइनअप में अब एस एग्जीक्यूटिव (सिंगल-सिलेंडर), एस+ एग्जीक्यूटिव (डुअल-सिलेंडर) और नए एसएक्स टेक (डुअल-सिलेंडर) वेरिएंट शामिल हैं। एस एग्जीक्यूटिव का डुअल-सिलेंडर वर्जन 8,000 रुपये प्रीमियम पर उपलब्ध है। एसएक्स टेक सीएनजी अब टॉप-टियर सीएनजी पेशकश के रूप में काम करती है।

एस को छोड़कर सभी सीएनजी वेरिएंट अब पिछले साल पेश किए गए डुअल-सिलेंडर सेटअप का इस्तेमाल करते हैं। इन बदलावों के हिसाब से सीएनजी वेरिएंट की कीमतों में संशोधन किया गया है।

इन 5 तरीकों से मोटरसाइकिल की करें देखभाल, बीच रास्ते में बंद नहीं होगी बाइक

परिवहन विशेष न्यूज

बाइक रखरखाव युक्तियाँ हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि आप अपनी मोटरसाइकिल की देखभाल किस तरह से करें कि वह सफर के दौरान बंद न हों। इसके साथ ही हम यह भी बता रहे हैं कि आप अपनी बाइक की परफॉर्मेंस को बढ़ाने के साथ ही उसके माइलेज को कैसे बढ़ा सकते हैं। आइए इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। हर कोई चाहता है कि उसकी मोटरसाइकिल हमेशा अच्छा परफॉर्मेंस देने के साथ ही बेहतर माइलेज दें। इसक साथ ही बाइक मालिक यह भी चाहता है कि उसकी मोटरसाइकिल कभी भी बीच रास्ते में बंद नहीं हो। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको मोटरसाइकिल का किस तरह से देखभाल करना चाहिए, इसके बारे में बता रहे हैं। इन टिप्स की मदद से आप अपनी मोटरसाइकिल को मेंटेन रख सकते हैं और उसे लंबे समय तक बिना किसी परेशानी के चला भी सकते हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं।

1. इंजन ऑयल नियमित रूप करें चेंज

आपको अपनी बाइक के इंजन ऑयल को नियमित रूप से चेंज करते रहना चाहिए। हमेशा इंजन ऑयल अच्छी क्वालिटी का ही इस्तेमाल करें। इस तरह से बाइक की परफॉर्मेंस बेहतर रहने के साथ ही माइलेज भी अच्छी मिलती है।

2. एयर फिल्टर क्लीन करें

अपनी मोटरसाइकिल या स्कूटर के एयर फिल्टर की सफाई नियमित रूप से करनी चाहिए। वहीं, अगर एयर फिल्टर ज्यादा खराब हो गया हो तो उसे समय रहते बदलवा लें। इसके क्लीन रहने पर दहन के लिए इंजन को स्वच्छ हवा की आपूर्ति होती है। यह इंजन तक ल, पराग और मलबे जैसे हानिकारक कणों को रोकने में मदद करता है।

3. ट्रांसमिशन नियमित रूप से करें चेक

जिस तरह से आप ब्रेक और क्लच की देखरेख करते हैं, उसी तरह से बाइक के ट्रांसमिशन यानी गियरबॉक्स का भी ध्यान रखना चाहिए। अगर गियरबॉक्स सही से काम नहीं करेगा तो आपको बाइक चलाने में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ ही बाइक बीच रास्ते में बंद भी हो सकती है।

4. टायर की कंडीशन रखें बेहतर

आपको अपनी बाइक के टायर की देखभाल नियमित रूप से करनी चाहिए। टायर का सही से देखभाल करने से आपको उसकी सही कंडीशन के बारे में पता चलता है। अगर टायर के ट्रेड ज्यादा घिस जाए तो उसे बदलवा लेना चाहिए। वहीं, हमेशा टायर में एयर प्रेशर को सही मात्रा में रखना चाहिए। इससे बाइक के इंजन पर ज्यादा लोन नहीं पड़ने के साथ ही माइलेज भी अच्छी मिलती है।

5. बैटरी का रखें खास ख्याल

किसी भी मोटरसाइकिल के लिए सबसे अहम उसकी बैटरी होती है, जो बाइक को स्टार्ट करने से लेकर लाइट्स और हॉर्न का सही तरीके से काम करने में मदद करती है। इसलिए आपको मोटरसाइकिल की बैटरी का हमेशा ख्याल रखना चाहिए। अगर आपकी मोटरसाइकिल की बैटरी में खराबी आ जाती है, तो उसे बिना देरी किए बदलवा लेना चाहिए।

कामकाजी महिलाओं की चुनौतियां

विजय गर्ग

वैश्वीकरण के दौर में शुरू किए गए आर्थिक और तकनीकी परिवर्तनों के फलस्वरूप महिलाओं की तुलना में पुरुषों को आमतौर पर अपेक्षाकृत अधिक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मिले। इसके कारण अधिकतर महिलाओं को अनौपचारिक क्षेत्र या आकस्मिक श्रमबल में प्रवेश करना पड़ा। भारत में कुल कामगारों में से असंगठित क्षेत्र में कार्यरत कार्यबल का लगभग 33 फीसद हिस्सा महिलाओं का है। यह स्पष्ट है कि अनौपचारिक क्षेत्र भारत में बड़ी संख्या में महिला श्रमिकों को आजीविका प्रदान करता है।

भारतीय परिवारों पर आर्थिक दबाव दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। देश में जीवन निर्वाह लागत, बच्चों की शिक्षा के लिए खर्च और आवास संपत्तियों की लागत में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हर परिवार को अपनी आय बढ़ाने के 5 तरीके तलाश करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इस कारण देश में रोजगार मामले में महिलाओं की सहभागिता बढ़ी है। भारत सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय की रपट के अनुसार असंगठित क्षेत्र में महिलाओं के स्वामित्व वाले प्रतिष्ठानों की संख्या वर्ष 2022-23 के 22.9 फीसद से स बढ़ कर वर्ष 23-24 में 26.2 फीसद हो गई। श्रम मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के नए सदस्यों में महिलाओं की हिस्सेदारी बीते सितंबर के 26.1 फीसद से बढ़ कर अक्तूबर में 27.9 फीसद हो गई। यह वृद्धि कोई उल्लेखनीय नहीं कही जा सकती।

कामकाजी महिलाओं के संबंध में 'एनएसओ' की वर्ष 2024 में जारी रपट के अनुसार शहरों में कुल 52.1 फीसद महिलाएं और 45.7 फीसद पुरुष कामकाजी हैं। मगर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं नौकरियों में अब भी पुरुषों से पीछे हैं, हालांकि पिछले छह वर्षों में उनकी हिस्सेदारी दोगुनी हो गई और यह 5.5 फीसद से 10.5 फीसद तक पहुंच गई। शहरी कामकाजी महिलाओं में से 52.1 फीसद नौकरीपेशा, 34.7 फीसद स्वरोजगार में तथा 13.1 फीसद अस्थायी श्रमिक हैं। 'इंडिया एट वर्क' की रपट 2024 अनुसार इस साल नौकरियों के लिए कुल सात करोड़ आवेदन आए, जिनमें 2.8 करोड़ महिलाओं के थे। यह संख्या 2023 की तुलना में 20 फीसद अधिक है। देश के रोजगार परिदृश्य में बदलाव आ रहा है और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। रपट के अनुसार 2023 के मुकाबले 2024 में महिला पेशेवरों के औसत वेतन में भी 28 फीसद की वृद्धि हुई। इस सब के बावजूद संगठित क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र की तुलना में महिलाओं के कम रोजगार का मुख्य कारण कम कौशल और कम वेतन पर काम करने के लिए तैयार होने की मजबूरी है। देश में पुरुषों और महिलाओं के बीच वेतन में लगभग 25.4 फीसद का अंतर है। अधिकांश असंगठित क्षेत्र के व्यवसाय जैसे मिट्टी के बर्तन बनाने, कृषि, निर्माण कार्य, हथकरघा, घरेलू सेवाएं और घरेलू उद्यमों में महिलाएं कार्यरत हैं। असंगठित क्षेत्र में महिला श्रमिक आमतौर पर बहुत कम वेतन पर बीच-बीच में काम करने वाले आकस्मिक श्रमिक के रूप में कार्यरत हैं। उनको अत्यधिक शोषण का सामना करना पड़ता है, जिनमें काम की लंबी अवधि अस्वीकार्य कार्य परिस्थितियां और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बनी रहती हैं।

भर्ती एजंसी 'टीमलीज सर्विसेज' की एक रपट के अनुसार भारत में दस में से पांच महिला कर्मचारियों ने किसी न किसी तरह के लैंगिक भेदभाव का अनुभव किया है। यह भेदभाव वेतन, कार्य के घंटे, अवकाश, अवसर और पदोन्नति के मामले में है। इस सर्वेक्षण के अनुसार, गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों वाली महिलाओं को भी भर्ती प्रक्रिया के दौरान और नौकरी की संभावनाओं के लिए प्रतिस्पर्धा करते समय नुकसान उठाना पड़ता है। कामकाजी महिलाएं हों या अपना कारोबार करने वाली, उन्हें काम पर तुलनात्मक रूप से अधिक चुनौतियों का सामना सिर्फ इसलिए करना पड़ रहा है, क्योंकि वे महिला हैं। यह धारणा कि महिलाएं केवल विशिष्ट कार्यों के लिए ही उपयुक्त हैं। यहां तक कि बेहतर योग्यता वाली महिलाओं के समांतर समान योग्यता वाले पुरुष उम्मीदवार को वरीयता दी जाती है। भले ही कानून भर्ती और पारिश्रमिक में समानता की घोषणा करता है, लेकिन इसका हमेशा पालन नहीं किया जाता है। एक ही काम के लिए महिलाओं और पुरुषों को अलग-अलग वेतन मिलता है। देश में संगठित और असंगठित कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी में सुधार के लिए समय-समय पर प्रयास भी किए गए हैं। इसके लिए बने कार्यबल ने अगस्त 2024 में अपनी सातवीं बैठक में इस बात पर जोर दिया कि कार्यबल में महिलाओं की सक्रिय और सार्थक भागीदारी को बढ़ावा देना सामाजिक न्याय के साथ-साथ जीवंत, नवोन्मेषी और समतामूलक समाज के निर्माण के लिए आवश्यक आर्थिक और रणनीतिक अनिवार्यता है। टास्क फोर्स ने देखभाल अर्थव्यवस्था को एक ऐसे क्षेत्र के रूप में पहचाना, जिसमें महिला कार्यबल भागीदारी बढ़ाने की महत्त्वपूर्ण संभावना है। टास्क फोर्स ने उद्योग संघों आग्रह किया कि वे आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए जागरूकता पैदा और नियोक्ताओं को प्रोत्साहित करें।

महिला रोजगार की स्थिति को संतोषजनक बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी समय-समय पर प्रयास हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि हमारी प्राथमिक अवधारणा यह है कि महिलाओं के लिए समान अवसर होने चाहिए। महिलाओं को रोजगार में समान अवसर दिलाने की दृष्टि से वर्ष 2006 के अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन में इस हेतु प्रस्ताव में इसकी पुष्टि भी की गई। महिलाओं के अधिकारों की स्थिति पर आयोग ने कई अहम मुद्दों पर सिफारिशें की हैं, जिनका लक्ष्य पुरुषों और महिलाओं के लिए समान अधिकार के सिद्धांत को व्यवहार में लाना है।

देश में कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के माध्यम से महिलाओं को उनके कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से बचाने के लिए प्रावधान किए गए हैं। मातृत्व लाभ (संशोधन) विधेयक, 2016 में संगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को मौजूदा 12 सप्ताह से बढ़ा कर 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश देने का प्रावधान किया गया। यह कानून दस या उससे अधिक कर्मचारियों वाले सभी व्यवसायों पर लागू है। अन्य कानूनों जैसे कारखाना अधिनियम, समान मजदूरी अधिनियम, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम आदि में भी यथास्थान महिलाओं के हितों की सुरक्षा के लिए प्रावधान किए गए हैं।

देश के संगठित और असंगठित क्षेत्र में महिलाओं के रोजगार की गुणवत्ता में सुधार की दृष्टि से सरकार व्यावसायिक संगठनों और अन्य सभी संबंधित पक्षकारों के मिले-जुले प्रभावी प्रयासों से ही महिलाओं के रोजगार अवसरों में वृद्धि और कार्यदशाओं में सुधार संभव है। उनको घर का काम भी करना पड़ता है। ऐसी महिलाओं को अंशकालिक रोजगार के समुचित अवसर मिलने चाहिए। जो महिलाएं पढ़ी-लिखी हैं वे आनलाइन पोर्टल के जरिए अपना काम शुरू कर सकती हैं जैसे शिक्षण, कपड़ा व्यवसाय, फास्ट फूड जैसे केक, पिज्जा बर्गर आइसक्रीम आदि का कारोबार वे घरों से सिलाई, कढ़ाई, मेहंदी, पापड़, अचार और टिफिन सेंटर जैसे गृह कार्यों से अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। परंपरागत लघु उद्योगों को नई तकनीक से शुरू कर महिलाओं को ज्यादा अवसर दिए जा सकते हैं।

परीक्षाओं में अंकों की होड़ क्यों

विजय गर्ग

देश में वार्षिक परीक्षाएं छात्रों के भविष्य को निर्धारित करने का प्रमुख माध्यम हैं। लेकिन हाल के वर्षों के दौरान, शिक्षा का मूल उद्देश्य ज्ञान अर्जन से हटकर केवल उच्च अंक प्राप्त करने तक ही सीमित होता जा रहा है। खासकर देहाती क्षेत्रों के विद्यार्थी अब नियमित कक्षाओं में पढने की बजाय कोचिंग सैंटरों पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं, क्योंकि वहां कम समय में अधिक अंक प्राप्त करने के आसान तरीके बताए जाते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल शिक्षा प्रणाली को प्रभावित कर रही है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के समग्र विकास के लिए भी एक चुनौती बनती जा रही है। इसके पीछे शिक्षा प्रणाली की कई खामियां जिम्मेदार मानी जा सकती हैं। इनमें अहम हैं ग्रामीण स्कूलों में शिक्षकों की कमी, कमजोर आधारभूत संरचना और अपर्याप्त शिक्षण सामग्री के कारण विद्यार्थी नियमित कक्षाओं में रुचि नहीं लेते।

इसके अलावा कोचिंग संस्कृति का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि छात्रों को लगता है कि विद्यालय में पढने की तुलना में कोचिंग सैंटरों में परीक्षा के लिए विशेष तरीके सिखाए जाते हैं, जिससे वे कम समय में अधिक अंक प्राप्त कर सकते हैं। इतना ही नहीं, गांव के भोले-भाले युवकों को लुभाने की मंशा से कई कोचिंग सैंटर यह दावा भी करते हैं कि वे छात्रों को परीक्षा में अधिक अंक दिलाने में मदद करेंगे। ऐसे में यदि शिक्षक भी उदासीन रवैया अपनाना शुरू कर दें तो वह आग में घी का काम करता है। आज से कुछ वर्ष पूर्व 'थ्री इडियट्स' फिल्म में भी यह दिखाया गया था कि अधिक अंकों की होड़ का छात्रों पर काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जबकि होना यह चाहिए कि हर नौजवान को अपने दिल की आवाज सुनकर अपनी जिंदगी की राह तय करनी चाहिए, जिससे खुशी भी होती है और सही मायने में सफलता भी मिलती है। केवल ज्यादा पैसे कमाने के लिए बिना समझे रट्टा मारने वाले कोल्हू के बैल ही होते हैं। जिनकी जिंदगी में रस नहीं आ पाता।

दूसरी तरफ इंजीनियरिंग की डिग्री की भूख इस कदर बढ़ गई है कि एक-एक शहर में दर्जनों प्राईवेट इंजीनियरिंग कॉलेज खुलते जा रहे हैं, जिनमें दाखिले का आधार योग्यता नहीं, मोटी रकम होता है। इन कॉलेजों में योग्य शिक्षकों और संसाधनों की भारी कमी रहती है। फिर भी ये छात्रों से भारी रकम फीस में लेते हैं। बेचारे छात्र अधिकतर ऐसे परिवारों से होते हैं, जिनके लिए यह फीस देना जिंदगी भर की कमाई को दाव पर लगा देना होता है। इतना रुपया खर्च करके भी जो डिग्री मिलती है उसकी बाजार में कीमत कुछ भी नहीं होती। तब उस युवा को पता चलता है कि इतना रुपया लगाकर भी उसने दी गई फीस के ब्याज के बराबर भी पैसे की नौकरी नहीं पाई। तब उनमें हताशा आती है।

आज हालत यह है कि एम.बी.ए. की डिग्री प्राप्त लड़के साडियों की दुकानों पर सेल्समैन का काम कर रहे हैं। समय और पैसे का इससे बड़ा दुरुपयोग और क्या हो सकता है।ऊपर से कोचिंग सैंटरों की बढ़ती फीस ग्रामीण और आॢथक रूप से कमजोर छात्रों के लिए एक अतिरिक्त बोझ बन रही है। सोचने वाली बात यह है कि जब छात्र स्कूल की पढ़ाई को महत्व नहीं देते, तो विद्यालयों की गुणवत्ता और भी गिरती जाती है। इससे शिक्षा प्रणाली कमजोर होती है। वहीं परीक्षा में अच्छे अंक पाने के दबाव में कई छात्र नकल और अन्य अनुचित तरीकों का सहारा भी लेने लगते हैं।

ऐसे में विद्यालयों की शिक्षा और गुणवत्ता में सुधार की बहुत जरूरत है। सभी ग्रामीण स्कूलों में शिक्षकों की जवाबदेही तय और विद्यालयों में शिक्षण सामग्री व संसाधनों को बेहतर किया जाना चाहिए। यदि सरकार विद्यालयों में परीक्षा की अच्छी तैयारी के लिए विशेष कक्षाएं संचालित करेगी तो विद्यार्थियों को कोचिंग सैंटर जाने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। परीक्षाओं को केवल अंकों के आधार पर तय करने की बजाय, प्रायोगिक ज्ञान, परियोजना कार्य और गतिविधि-आधारित मूल्यांकन को बढ़ावा देना चाहिए।

शिक्षकों को इस बात पर विशेष जोर देना चाहिए कि उन्हें विद्याॢथयों को अंकों की होड़ में धकेलने की बजाय, उन्हें वास्तविक ज्ञान अर्जित करने और रचनात्मकता विकसित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। यदि शिक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी और समावेशी नहीं बनाया गया, तो यह प्रवृत्ति शिक्षा के व्यवसायीकरण को और अधिक बढ़ावा देगी। आवश्यक है कि विद्यालयों में गुणवत्ता सुधार के साथ-साथ परीक्षाओं में सफलता का मूल्यांकन केवल अंकों के आधार पर न किया जाए, बल्कि छात्रों की संपूर्ण योग्यता और कौशल को ध्यान में रखा जाए। जब शिक्षा का असली उद्देश्य ज्ञानार्जन बनेगा, तभी समाज का वास्तविक विकास संभव होगा।

क्या बच्चे वीडियो देखने या किताबें पढ़ने के माध्यम से बेहतर सीखते हैं ?

विजय गर्ग

विजय गर्ग सीखना अलग-अलग तरीकों से हो सकता है, और वीडियो और किताबें दोनों आपके बच्चे के सीखने में मददगार हैं। लेकिन बच्चे बेहतर कैसे सीखते हैं ? क्या एक दूसरे से बेहतर है ?

वीडियो देखने के माध्यम से सीखना

वीडियो देखना सीखने का एक मजेदार तरीका है ! डिजिटल मीडिया के इस युग में, सूचना और सोशल मीडिया चैनलों जैसे युटुब तक बेहतर पहुंच है, जिससे शैक्षिक सामग्री की तलाश करना आसान हो जाता है। यहां अन्य कारण दिए गए हैं कि वीडियो देखने से बच्चों को सीखने में मदद मिलती हैः

यह तुरंत आकर्षक है।

एनिमेशन, विशेष रूप से, बच्चों का ध्यान आकर्षित करने और किसी विशेष विषय में रुचि पैदा करने में एक लंबा रास्ता तय करता है। और वास्तविक जीवन के वीडियो छात्रों के लिए बाहरी दुनिया लाते हैं - इसे तुरंत समृद्ध अनुभव बनाते हैं।

यह एक मल्टीसेंसरी गतिविधि है।

दृष्टि और ध्वनि एक शक्तिशाली संयोजन हैं। वीडियो मजबूत दृश्य संकेत प्रदान करता है जो शिक्षार्थियों को विषय को समझने में मदद करता है, भले ही भाषा का पालन करना कठिन हो।

सुझावः म्यूट पर एक वीडियो चलाएं, फिर अपने बच्चे को यह अनुमान लगाने के लिए कहें कि क्या हो रहा है। यह एक पढ़ने की भविष्यवाणी गतिविधि के समान है जिसका उपयोग शिक्षक छात्रों को चर्चा की जाने वाली सामग्री की तैयारी में मदद करने के लिए करते हैं। यह भी मजेदार है !

यह व्यावहारिक कौशल विकसित करने के लिए अच्छा है।

गिनती, लेखन और पढ़ने (डिकोडिंग) के मौलिक सीखने के कौशल को वीडियो द्वारा आसानी से प्रदर्शित किया जाता है। कैसे-कैसे वीडियो बच्चों को वास्तविक जीवन में देखी गई बातों को आसानी से याद रखने और लागू करने में मदद करते हैं।

दूसरी ओर, ये वीडियो देखते समय बच्चों को पूरी तरह से सीखने में बाधा डाल सकते हैंः

वे आसानी से विचलित हो सकते थे।

वीडियो देखते समय, बाहरी विवरण छात्रों का ध्यान आकर्षित कर सकते हैं कि उन्हें वास्तव में क्या सीखने की आवश्यकता हैः लापता महत्वपूर्ण विवरण सीखने को कम प्रभावी बनाता है। सहायता के बजाय एनिमेशन विचलित हो सकते हैं, और पॉप-अप विज्ञापन हमेशा बाधित होने के लिए होंगे। छात्रों के लिए ऊब जाने पर आवेदन स्विच करने की भी प्रवृत्ति होती है।

सामग्री विश्वसनीय नहीं हो सकती है।

हर वीडियो विश्वसनीय स्रोतों से नहीं आता है। कुछ लोकप्रिय हो सकते हैं यहां तक कि उनमें सही जानकारी नहीं है। बच्चों का मार्गदर्शन करना और उन्हें यह सिखाना सबसे अच्छा है कि कैसे जांच करें।

पढ़ने के माध्यम से सीखना

पढ़ना कुछ बच्चों के लिए एक आसान या दिलचस्प गतिविधि नहीं है, लेकिन यह जानकारी प्राप्त करने और संज्ञानात्मक

कौशल विकसित करने के लिए आवश्यक है। पढ़ने के माध्यम से सीखने के लाभों में निम्नलिखित शामिल हैंः

यह फोकस, एकाग्रता और स्मृति को बढ़ाता है।

वीडियो देखने की तुलना में, बच्चे केवल दृष्टि का उपयोग करते हैं और वास्तव में रुचि होने पर विचलित होने की संभावना कम होती है। एकाग्रता के अलावा, पढ़ना भी उनकी स्मृति को बढ़ाता हैः वे प्रिंट में पढ़ते समय दीर्घकालिक ज्ञान को बेहतर बनाए रखते हैं। जब आपका बच्चा कोई पुस्तक पढ़ता है, तो वे पृष्ठ की दृश्य छवि को याद करते हैं, जिससे सबसे छोटे विवरणों को याद करना आसान हो सकता है।

यह कल्पनाशील कौशल विकसित करता है।

एक कहानी पढ़ते समय, बच्चे अपने मन में अपनी तस्वीरें बनाते हैं - जो वे देखते हैं उसे खुद को सीमित नहीं करते। सबसे अच्छे बच्चों की पुस्तक चित्र का उद्देश्य कल्पना को और बढ़ाना और रचनात्मकता विकसित करने के लिए अच्छा व्यायाम प्रदान करना है।

सिद्धि की भावना है।

एक पुस्तक के अंत में, एक कार्य को पूरा करने की भावना है। आप इसे बच्चों में देख सकते हैं जब वे दूसरों के साथ जो पढ़ते हैं उसे साझा करते हैं और जब भी वे पहले पढ़ते हैं तो खुश और गर्व महसूस करते हैं।

दूसरी ओर, ऐसे कारण हैं कि बच्चे पढ़ने से अधिक बार वीडियो देखते हैंः

यह कम सुलभ हो सकता है।

हालांकि ई-बुक्स और अन्य शिक्षण सामग्रियों को इंटरनेट पर मुफ्त में एक्सेस किया जा सकता है, लेकिन वीडियो की तुलना में इनकी तलाश करना अधिक कठिन है। फोन और वाईफाई वाला कोई भी बच्चा आसानी से YouTube तक पहुंच सकता है और देखने के लिए वीडियो चुन सकता है।

इसके लिए अधिक समय और प्रयास की आवश्यकता होती है।

वीडियो देखते समय, बच्चे वापस बैठते हैं और आराम करते हैं; पढ़ने के लिए उन्हें ध्यान केंद्रित करने और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता होती है, खासकर जब सामग्री को उच्च-क्रम समझ कौशल की आवश्यकता होती है। यह कुछ बच्चों के लिए एक कठिन काम पढ़ने बनाता है। यह अभ्यास के साथ आसान हो जाता है, हालांकि ! अपने बच्चे को पढ़ने के लिए कैसे प्रोत्साहित करें ? हमारे यहां कुछ टिप्स हैं।

मोबाइल और कैंसर के बीच कोई संबंध नहीं मिला

विजय गर्ग

मोबाइल फोन की का इस्तेमाल करने वालों के दिमाग में यह ख्याल आता है कि कहीं इसके उपयोग से उन्हें कैंसर तो नहीं हो जाएग। लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से किए गए अध्ययन ने इन अटकलों को खारिज कर दिया है। आस्ट्रेलिया की परमाणु और विकिरण सुरक्षा एजेंसी द्वारा किए गए शोध में मोबाइल फोन के उपयोग और विभिन्न कैंसर के बीच कोई संबंध नहीं पाया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा किए गए और मंगलवार को प्रकाशित शोध में मोबाइल फोन से रेडियो तरंगों के संपर्क और ल्यूकेमिया, लिम्फोमा और थायरायड और ओरल कैविटी सहित विभिन्न कैंसर के बीच कोई संबंध नहीं पाया गया। शिन्हुआ समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार यह आस्ट्रेलियाई विकिरण सुरक्षा और परमाणु सुरक्षा एजेंसी (एआरपीएएनएसए) द्वारा की गई डब्ल्यूएचओ के दूसरे आयोग की व्यवस्थित समीक्षा थी। सितंबर 2024 में प्रकाशित पहली समीक्षा में मोबाइल फोन के उपयोग और मस्तिष्क व सिर के अन्य हिस्से के कैंसर के बीच संबंध की खोज की गई और उनके बीच किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं पाया गया। दोनों अध्ययनों के प्रमुख लेखक और एआरपीएएनएसए में स्वास्थ्य प्रभाव आकलन के सहायक निदेशक केन कारिपिडिस ने कहा कि नए शोध में मोबाइल फोन, फोन टावर और कैंसर के बीच संबंध पर सभी उपलब्ध साक्ष्यों का मूल्यांकन किया गया है। उन्होंने कहा कि शोधकर्ताओं को रेडियो तरंगों के संपर्क और विभिन्न कैंसर के बीच कोई संबंध नहीं मिला, लेकिन टीम मस्तिष्क कैंसर पर समीक्षा की तुलना में परिणामों के बारे में निश्चित नहीं पाई गई।

कारिपिडिस ने कहा, ऐसा इसलिए क्योंकि इन कैंसर और वायरलेस तकनीक से रेडियो तरंगों के संपर्क के बीच संबंध के बारे में उतने सुबूत नहीं हैं। अध्ययन में योगदान देने वाले एआरपीएएनएसए के विज्ञानी रोहन मेट ने कहा कि इसके निष्कर्ष वायरलेस तकनीक और कैंसर के बारे में जनता को सूचित करने के लिए ज्ञान के भंडार के रूप में वृद्धि करेंगे। डब्ल्यूएचओ द्वारा दो व्यवस्थित समीक्षाएं वर्तमान में रेडियो तरंगों के संपर्क में आने से के स्वास्थ्य प्रभावों के मूल्यांकन को सूचित करेंगी।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, कैंसर बीमारियों का एक बड़ा समूह है जो शरीर के लगभग किसी भी अंग या ऊतक में शुरू होता है, जब कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ती हैं और शरीर के आस-पास के हिस्सों पर आक्रमण करने के लिए अपनी सामान्य सीमाओं से आगे निकल जाती हैं। इसके बाद धीरे-धीरे अन्य अंगों में फैल जाती हैं। बाद की प्रक्रिया को मेटास्टेसिसिंग कहा जाता है और यह कैंसर से मृत्यु का एक प्रमुख कारण है।

दुनिया भर में मौत का प्रमुख कारण है कैंसर कैंसर दुनिया भर में मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। कैंसर के कारण 2018 में अनुमानित 96 लाख मौतें हुई हैं। यानी छह में से एक मौत कैंसर के कारण हुई। फेफड़े, प्रोस्टेट, कोलोरेक्टल, पेट और लीवर कैंसर पुरुषों में होने वाले कैंसर के सबसे आम प्रकार हैं, जबकि ब्रेस्ट, कोलोरेक्टल, फेफड़े, गर्भाशय व थायरायड कैंसर महिलाओं में सबसे आम हैं। कैंसर का बोझ दुनिया भर में बढ़ता जा रहा है, जिससे व्यक्तियों, परिवारों, समुदायों व स्वास्थ्य प्रणालियों पर जबरदस्त शारीरिक, भावनात्मक और वित्तीय दबाव पड़ रहा है। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में कई स्वास्थ्य प्रणालियां इस बोझ को संभालने के लिए तैयार नहीं हैं दुनिया भर में बड़ी संख्या में कैंसर रोगियों को समय पर गुणवत्तापूर्ण निदान और उपचार नहीं मिल पाता है।

डिनर सेट

विजय गर्ग

बेटे की शादी, घर में महीनों से तैयारी चल रही थी। दुनियाभर की लिस्ट बना ली थी कि ऐन मौके पर कुछ छूट न जाए, पर काम खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा था। जब देखो काम सुरसा के मुंह की तरह मुंह खोले खड़ा रहता। नई बहू का आगमन घर में खुशियां लेकर आया था।

धीरे-धीरे करके सारे मेहमान और रिश्तेदार चले गए थे। आजकल तो रिश्तेदार भी मेहमानों की तरह शादी के दिन या दो दिन पहले हाथ झुलाते आते हैं। जिम्मेदारियों के नाम पर खाया-नाचा और अपने-अपने घर, किसी से क्या उम्मीद करनी। घर समेटते-समेटते अब तो हाथ भी दुखने लगे थे। पारुल को इस घर में आये चार ही दिन तो हुए थे, नई-नवेली दुल्हन से कुछ काम कहते बनता भी नहीं था। तभी सक्सेना जी ने आवाज लगाई।

'निर्मला ! काम होता रहेगा, लगे हाथ शादी में आये उपहारों को भी देख लो। कल हमें भी तो देना होगा।'

ये काम निर्मला को सबसे ज्यादा खराब लगता था। सक्सेना जी को बातों का पोस्टमार्टम करने में बड़ा मजा आता था। अरे भाई किसी से उपहार लेने के लिए थोड़ी आमंत्रित करते हैं। आदमी की अपनी श्रद्धा और सोच जैसा चाहे वैसा दे। कोई रिश्तेदार या जान-पहचान वाला सस्ता उपहार दे दे तो सक्सेना जी हत्थे से उखड़ जाते।

'ऐसे कैसे दे दिया कम से कम हमारी हैसियत तो देखनी चाहिए थी। लोग एक बार भी सोचते नहीं कि किसके घर दे रहे हैं।'

और अगर कोई अच्छा उपहार दे दे तो'?

'इसमें कौन-सी बड़ी बात है भगवान ने दिया है तो दे रहे हैं।'

निर्मला कहती,

'हमें भी तो उन्हें देना पड़ेगा सिर्फ लेना ही तो संभव नहीं है।'

'हमारा उनसे क्या मुकाबला, वह चाहें तो इससे भी अच्छा दे सकते थे खैर'।'

सक्सेना जी ने अपने बेटे आयुष और बहू पारुल को आवाज लगाई।

'आयुष ! मम्मी का लाल वाला पर्स अलमारी से निकाल लाओ और वहीं बगल में गिफ्ट्स भी रखे हैं। पारुल बेटा ये डायरी और पेन पकड़ो और लिखती जाओ।'

'जी पापा !'

'आप भी न, हर बात की जल्दी रहती है आपको', घर में इतने सारे काम पड़े हैं। अरे हो जाता ऐसी भी क्या जल्दी है।'

निर्मला ने बड़बड़ाते हुए कहा, रंग-बिरंगें कागजों में लिपटे उपहार कितने खूबसूरत लग रहे थे। ये उपहार भी कितनी गजब की चीज़ हैं, कुछ के लिए भावनाओं के उद्गार को दिखाने का माध्यम बनते हैं तो कुछ के लिए सिर्फ औपचारिकता', पुष्प-गुच्छ उसे कभी समझ नहीं आते थे। कभी-कभी लगता सामान देने का मन नहीं, लिफाफा बजट से ऊपर जा रहा तो इसे ही देकर टरका दो। खुशियों की तरह इनकी जिंदगी भी आखिर कितनी होती है।

'अरे ध्यान से उपहार खोलो, पैकिंग पेपर कितना सुंदर है। गद्दे के नीचे दबाकर रख दूंगी सब सीधे हो जाएंगे। किसी को लेने-देने में काम आ जाएंगे।'

निर्मला ने हांक लगाई, 'क्या मम्मी तुम भी न, यहां लाखों रुपये शादी में ख़र्च हो गए और तुम वही दस-बीस रुपये बचाने की बात करती हो।'

नई-नवेली पारुल के सामने आयुष का यूं झिड़कना निर्मला को रास नहीं आया पर क्या कहती', हम गृहणियां इन छोटी-छोटी बचतों से ही खुश हो जाती हैं। उनकी इस खुशी का अंदाजा पुरुष नहीं लगा सकते। लाखों के गहने खरीदने में उन्हें उतनी खुशी नहीं होती जितनी उसके साथ मिलने वाली मखमली डिबिया, जूट बैग या फिर कैलेंडर के मिलने पर होती है। चार सौ रुपये की सब्जी के साथ दस रुपये की धनिया मुफ्त पाने के लिए वे दो किलोमीटर दूर सब्जी बेचने वाले के पास जाने में भी वे गुरेज नहीं करतीं। दांत साफ करने से शुरू होकर, कुकर के रबड़ साफ करने तक वे एक ही टूथब्रश का इस्तेमाल करती हैं। उनकी यह यात्रा यहां पर भी समाप्त नहीं होती। ब्रश का एक भी बाल न बचने की स्थिति में वो पेटीकोट और पायजामे में नाड़ा डालने में उसका सदुपयोग करती हैं। ये आजकल के बच्चे क्या जानेंगे कि एक औरत किस-किस तरह से जुगाड़ कर गृहस्थी को चलाती है। नीबू की आखिरी बूंद तक निचोड़ने के बाद भी उसकी आत्मा तृप्त नहीं होती और वो नीबू के मरे हुए शरीर को भी तवे और कढ़ाही साफ करने में प्रयोग में लाती हैं।

निर्मला चुप थी, नई-नवेली बहू के सामने कहती भी तो क्या'? तभी निर्मला की नजर पारुल पर पड़ी, वो न जाने कब रसोईघर से चाकू ले आई थी और सिर झुकाए अपने मेहंदी लगे हुए हाथों से सावधानी से धीरे-धीरे सेलोटेप को काट रही थी। बगल में ही उपहारों में चढ़े रंगीन कागज तह लगे हुए रखे हुए थे। पारुल की निगाह निर्मला से टकरा गई, निर्मला की आंखों में चमक आ गई। दिल में एक भरोसा जाग गया, उसकी गृहस्थी सही हाथों में जा रही है। उसे अब इस घर की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। पारुल पढ़ी-लिखी लड़की है वो अच्छे से उसकी गृहस्थी सम्भाल लेगी।

'ये जो इतना रायता फैला रखा है पहले इसे समेटो। ऐसा है पहले ये सारे उपहार खोलकर नाम लिखवा दो, फिर लिफाफे देखना।'

निर्मला ने आयुष से कहा, किसी में बेडशीट, किसी में गुलदस्ता, किसी में पेंटिंग तो किसी में घड़ी थी।

'जरा संभालकर ! शायद कुछ कांच का है। कहीं टूट न जाये।'

निर्मला के अनुभवी कानों ने आवाज से ही अंदाजा लगा लिया।

'मां ! देखो कितना सुंदर डिनर सेट है।'

आयुष ने हुलस कर कहा, निर्मला ने डिनर सेट की प्लेट पर प्यार से हाथ फेरा।

'निर्मला जरा इधर तो दिखाओ, किसने दिया है भाई बड़ा सुंदर है।'

'मथुरा वाली दीदी ने दिया है, कितना सुंदर है न?'

'हम्म ! पर इसमे तो सिर्फ चार प्लेट और चार कटोरियां हैं। ये कौन-सा फैशन है। आजकल की कंपनियों के चोंचले समझ ही नहीं आते।'

'समझना क्या है ठीक तो है। मां-बाप और बच्चे।'

'और हम ?'

सक्सेना जी ने दबे स्वर में कहा, सक्सेना जी का चेहरा उतर गया था, निर्मला कुछ-कुछ समझ रही थी। आखिर तीस साल साथ बिताए थे। निर्मला ने हमेशा की तरह बात को संभाला,

'वो भी तो वही कह रहा है, मां-बाप और बच्चे।'

सक्सेना जी ने दबे स्वर में बड़बड़ाते हुए कहा-'कौन से मां-बाप और कौन से बच्चे', वर्तमान वाले या फिर भविष्य वाले ?'

सक्सेना जी अनमन्य से हो गए और सब कुछ छोड़ बैठक में आकर बैठ गए। मन-मस्तिष्क में इतना कुछ चल रहा था जिसकी तपिश उनके चेहरे पर साफ देखी जा सकती थी। कितना लंबा-चौड़ा परिवार था उनका, 'सब मिल-जुलकर रहते थे पर वक्त की ऐसी आंधी चली सब बिखर गए। काम की तलाश में सब अलग-अलग आसमानों में उड़ गए। अब तो बस भाई-भतीजों से तीज़-त्योहार और शादी-ब्याह में ही मुलाकात हो पाती थी। भाइयों का हाल भी बहुत अच्छा नहीं था। बहू के आने के बाद परिस्थितियां बदल गई थीं। उनका क्या होगा यह सोच-सोच कर वह परेशान होते रहते थे।

इस समय समाज में जो हवा चल रही थी उसकी वजह से इस तरह के विचार आना स्वाभाविक ही था। सक्सेना जी के मन में एक असुरक्षा की भावना घर कर गई थी। सक्सेना जी का चिड़चिड़ापन स्वाभाविक था।

'जो होना होगा, होगा ही' उसमें डरने की क्या बात है। कोई हमारे साथ नया तो नहीं होगा।'

कहने को तो निर्मला ने कह दिया था पर कहीं न कहीं एक डर उसके मन-मस्तिष्क में भी पल रहा था। अपनी कोख से पैदा की हुई संतान को दूसरे घर की लड़की के साथ बांट पाना इतना आसान नहीं था पर निर्मला जी सक्सेना जी को खुश करने के लिए हर बात को हवा में उड़ा देती पर उन्होंने अपना दर्द कभी दिखाया नहीं था।

कौन कहता है एक नई नवेली बहू को ही अपने ससुराल में सामंजस्य बैठाना पड़ता है पर लोग यह भूल जाते हैं कि ससुराल वालों को भी नई बहू के साथ सामंजस्य बैठाना पड़ता है। अपनी घर की चाबियों से लेकर घर के दुख-दर्द भी साझे करने होते हैं। एक अजनबी लड़की को सिर्फ आप अपने घर की चाबियां नहीं, अपने घर की जिम्मेदारियां और विश्वास भी सौंप रहे होते हैं। वह आपके हर चीज़ की राजदार होती है।

शायद उनके अन्तिम वाक्य को नई नवेली पारुल ने सुन लिया था। सक्सेना जी आंखें मूंदे सोफे पर पड़े हुए था। उस चार प्लेट वाले डिनर सेट को देख उनका मूड खराब हो चुका था। तभी पारुल अपने हाथ में एक बड़ा-सा डिब्बा लेकर कमरे में घुसी।

'क्या हुआ बेटा, ये तुम्हारे हाथों में क्या है ?'-सक्सेना जी ने पूछा

'पापा ये मेरे मायके से डिनर सेट मिला है। छह प्लेट वाला'... आप, मम्मी, आयुष, मैं और भविष्य में होने वाले आपके... ?'

शब्द उसके गले में अटक गए और गाल शर्म से लाल हो चुके थे। सक्सेना जी अभी भी उसकी बात को समझ नहीं पा रहे थे।

'पापा आप चिंता न करें, चार प्लेट वाला डिनर सेट हम किसी को गिफ्ट कर देंगे। इस घर में तो छह प्लेट वाला ही डिनर सेट रहेगा।'

'महंगाई काबू में रही, तो अप्रैल तक ब्याज दरों में एक और कटौती कर सकता रिजर्व बैंक', एसबीआई का बयान

एसबीआई ने कहा कि अगर महंगाई काबू में रहती है, तो आरबीआई अप्रैल तक ब्याज दरों में और कटौती कर सकता है। आरबीआई ने महंगाई पर नियंत्रण रखने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अपनी नीतियों को मजबूती से लागू किया है।

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने कहा कि अगर महंगाई का रुझान अनुकूल बना रहता है, तो अप्रैल तक रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दरों में एक और कटौती कर सकता है। एसबीआई के मुताबिक, रिजर्व बैंक ने पिछले एक साल में महंगाई को काबू में करने और आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए अपनी नीति को मजबूती से लागू किया है।

आरबीआई ने माना है कि खाद्य महंगाई एक महत्वपूर्ण वजह बनी हुई है, लेकिन इसके सकारात्मक संकेत भी मिल रहे हैं, जैसे कि खड़ी फसला का अच्छा उत्पादन और सब्जियों की कीमतों में कमी। हालांकि, मौसम में उतार-चढ़ाव जैसे जोखिम भी बने हुए हैं।

आरबीआई की नीति में सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यह था कि उसने महंगाई लक्ष्य निर्धारण में लचीलेपन (एफआईटी) पर जोर दिया। एफआईटी नियमों और निर्णयों का एक मिश्रण है, जो तय करता है कि महंगाई काबू में रहे और आर्थिक स्थितियों के आधार पर यह नीति बदलती रहे।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि सरकारी सुरक्षा पत्रों (गवर्नमेंट सिक्योरिटीज) के लिए अब नए समझौते किए जाएंगे, जिससे इनकी कीमत का सही अनुमान लगाना और इन्हें आसानी से खरीदना-बेचना संभव होगा। साथ ही, नकद के अलावा इनकी भौतिक रूप से इनकी अदला-बदली भी की जा सकेगी, जिससे बांड ट्रेडिंग और भी प्रभावी हो जाएगी।

आरबीआई ने वित्तीय वर्ष 2025 के लिए महंगाई का अनुमान 4.8 फीसदी बरकरार रखा है, जबकि चौथी तिमाही में महंगाई 4.4 फीसदी तक रहने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2026 के महंगाई 4.2 फीसदी रहने का अनुमान है।

इसको ध्यान में रखते हुए आरबीआई ने तरलता कवरेज अनुपात (एलसीआर), अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) और प्रावधान दिशानिर्देशों के लिए मसौदा मानदंडों के क्रियान्वयन को टाल दिया है। ताकि इन नियमों को लागू करने से पहले उनका और अधिक मूल्यांकन किया जा सके।

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से दो साल में पहली बार रेपो दर को 25 आधार अंकों से घटाकर 6.25 फीसदी कर दिया है। इसके अलावा, आरबीआई ने यह भी कहा क वह एक तटस्थ मौद्रिक नीति अपनाए रखेगा, ताकि महंगाई को लक्ष्य के अनुरूप बनाए रखते हुए आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया जा सके।

सेबी ने फाइनेंस इंफ्लुएंसर अस्मिता पटेल समेत पांच पर लगाया प्रतिबंध, ठगी से इकट्ठा किए 53 करोड़ रुपये

सेबी ने गुरुवार को इन फाइनेंस इंफ्लुएंसर्स अस्मिता ग्लोबल स्कूल ऑफ ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड, अस्मिता जिंदल पटेल, जितेश जेठालाल पटेल, किंग ट्रेडर्स, जैमिनी एंटरप्राइजेज, यूनाइटेड एंटरप्राइजेज को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया था।

नई दिल्ली। भारत में बाजार नियामक संस्था सेबी ने छह कथित वित्तीय सलाहकार निकायों को प्रतिबंधित कर दिया है। जिन निकायों पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनमें अस्मिता पटेल ग्लोबल स्कूल और फाइनेंस इंफ्लुएंसर अस्मिता पटेल का नाम भी शामिल है। इन निकायों पर आरोप हैं कि इन्होंने बिना पंजीकरण कराए लोगों को निवेश सलाह दी और इन सेवाओं के जरिए इन निकायों ने 53 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जुटाई। सेबी ने गुरुवार को इन फाइनेंस इंफ्लुएंसर्स अस्मिता ग्लोबल स्कूल ऑफ ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड, अस्मिता जिंदल पटेल, जितेश जेठालाल पटेल, किंग ट्रेडर्स, जैमिनी एंटरप्राइजेज, यूनाइटेड एंटरप्राइजेज को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया था।

वित्तीय सलाहकारों पर क्या हैं आरोप

सेबी ने नोटिस में इन छह निकायों से पूछा है कि उनसे क्यों न करोड़ों रुपये की वसूली की जाएं। आरोप है कि इन कथित वित्तीय सलाहकारों और निकायों ने लोगों को गुमराह कर उन्हें ट्रेडिंग संबंधी कोर्स में दाखिला दिलाया और बाजार को लेकर लोगों से झूठे वादे किए। अस्मिता पटेल ने खुद को बाजार की बड़ी जानकार के रूप में पेश किया और बड़े-बड़े वादे किए और दावा किया जा रहा है कि इन्होंने एक लाख से ज्यादा लोगों को शेयर बाजार के बारे में जानकारी देने के बदले मोटी कमाई की। लोगों को विशेष स्टॉक में ही निवेश के लिए लालच दिया गया।

सेबी के आदेश में कहा गया है कि इन इकाई के कृत्यों से यह स्पष्ट है कि इन्होंने शिक्षा प्रदान करने के बहाने छात्रों/निवेशकों/प्रतिभागियों को निवेश सेवाएं प्रदान कर रहीं थी और इन्होंने प्रतिभागियों से फीस के रूप में 53 करोड़ रुपये इकट्ठा किए।

'बाजार तय करता है रुपये की कीमत, रोजाना उतार-चढ़ाव से चिंतित नहीं', रुपये की कीमत गिरने पर बोले गर्वनर

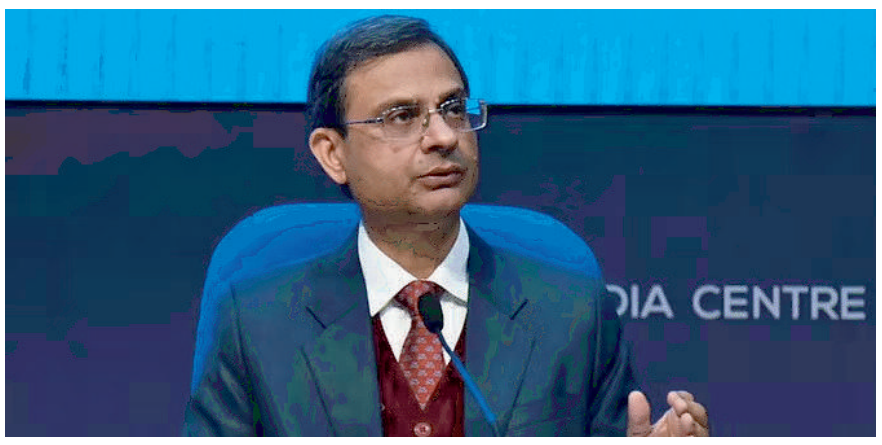

रुपये की कीमत गिरने पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि रुपये की कीमत बाजार तय करता है और केंद्रीय बैंक रोजाना उतार-चढ़ाव से चिंतित नहीं है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शनिवार को कहा कि रुपये की कीमत अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बाजार की ताकतें तय करती हैं। केंद्रीय बैंक रोजाना होने वाले उतार-चढ़ाव को लेकर चिंतित नहीं है।

रुपये की कीमत को लेकर क्या है RBI का नजरिया

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और रिजर्व बैंक के बोर्ड की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई रुपये की कीमत को मध्यम और लंबी अवधि के नजरिए से देखता है।

रुपये की कीमत गिरने पर बोले आरबीआई गवर्नर

रुपये की कीमत गिरने से महंगाई पर असर को लेकर गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि अगर रुपया 5% तक गिरता है, तो घरेलू महंगाई दर पर 30-35 बेसिस प्वाइंट (बीपीएस) का असर पड़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि आरबीआई ने अगले वित्त वर्ष के लिए विकास और महंगाई के अनुमान तय करते समय मौजूदा रुपये-डॉलर विनिमय दर को ध्यान में रखा है।

इस दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नई आयकर नीति को मंजूरी दे दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इसे अगले सप्ताह लोकसभा में पेश किया जाएगा। इसके बाद यह प्रस्ताव संसद की स्थायी समिति के पास भेजा जाएगा।

'बीसीसीआई और बायजू के बीच समझौते पर एक हफ्ते के भीतर लें फैसला', एनसीएलएटी का NCLT को आदेश

परिवहन विशेष न्यूज

एनसीएलएटी ने एनसीएलटी को एक सप्ताह के भीतर बीसीसीआई और बायजू के बीच समझौते पर निर्णय लेने का आदेश दिया। बायजू के पूर्व प्रमोटर रिजु रविंद्रन ने एनसीएलटी के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें ग्लास ट्रस्ट और आदित्य बिड़ला फाइनेंस को बायजू की ऋणदाता समिति (सीओसी) में बहाल किया गया था।

नई दिल्ली। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने शनिवार को राष्ट्रीय कंपनी कानून अधिकरण (एनसीएलटी) को निर्देश दिया कि वह बीसीसीआई और बायजू के बीच समझौते और दिवालिया मामले को खत्म करने के लिए एक सप्ताह के भीतर फैसला ले।

एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ में जस्टिस राकेश कुमार जैन और जतिंद्रनाथ स्वैन शामिल थे, जिन्होंने एनसीएलटी से यह फैसला लेने को कहा। बायजू के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रिजु रविंद्रन ने अधिकरण के पिछले आदेश के खिलाफ याचिका दायर की थी, जिसमें ग्लास ट्रस्ट और आदित्य बिड़ला फाइनेंस को बायजू की ऋणदाता समिति (सीओसी) में बहाल किया गया था। याचिका का निस्तारण करते हुए पीठ ने यह निर्देश दिया।

एनसीएलएटी ने कहा, एनसीएलटी को याचिका पर फैसला लेने के लिए निर्देश दिया जाता है। कृपया इसे एक हफ्ते के भीतर निपटाने का प्रयास करें। हालांकि, एनसीएलएटी ने यह भी स्पष्ट किया कि उसने इस मामले के तथ्यों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

बायजू के पूर्व प्रमोटर और बायजू रवींद्रन के भाई रिजु रवींद्रन ने एनसीएलटी की बंगलूरू पीठ के आदेश को चुनौती दी थी। 29 जनवरी को एनसीएलटी ने बायजू के 'समाधान पेशेवार' (आरपी) के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया था और ग्लास ट्रस्ट व आदित्य बिड़ला फाइनेंस को बायजू की ऋणदाता समिति से बाहर करने के निर्देश को रद्द कर दिया था। समाधान पेशेवर का मतलब वह व्यक्ति या संस्था होती है जो दिवालियापन की प्रक्रिया में कंपनी को सुधारने या उसके समाधान के लिए जिम्मेदार होता है।

एनसीएलटी ने आईबीबीआई को बायजू के आरपी पंकज श्रीवास्तव के खिलाफ जांच का निर्देश दिया था। एनसीएलएटी ने बायडू की ऋणदाता समिति (सीओसी) के पुनर्गठन को भी रद्द कर दिया था। अंतरिम आरपी ने 31 अगस्त 2024 को सीओसी का पुनर्गठन किय था, जिसमें ग्लास ट्रस्ट और आदित्य बिड़ला फाइनेंस को बाहर कर दिया गया था।

रिजू रविंद्रन ने एनसीएलएटी में अपनी याचिका में कहा कि एनसीएलटी को तब तक ऋणदाता समिति का पुनर्गठन नहीं करना चाहिए था, जब तक बीसीसीआई के साथ समझौते के कारण सीआईआरपी (कॉर्पोरेट दिवालियापन समाधान प्रक्रिया) को वापस नहीं लिया गया था। रविंद्र ने कहा कि बीसीसआई के साथ समझौता उस समय हुआ था, जब ऋणदाता समिति का गठन नहीं हुआ था। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इस समझौते के बाद उचित उपाय अपनाने की आजादी दी थी, लेकिन एनसीएलएटी का आदेश इसका उल्लंघन करता है।

'महंगाई और विकास दर पर सरकार और रिजर्व बैंक मिलकर काम करेंगे', रेपो रेट कम होने के बाद बोलीं वित्त मंत्री

एक दिन पहले ही रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कटौती का एलान किया है। सीतारमण ने कहा कि वे अगले हफ्ते नया आयकर विधेयक संसद में पेश कर सकती हैं, जिसके बाद विधेयक को संसदीय समिति के पास भेजा जाएगा।

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया सभी मोर्चों जैसे महंगाई, विकास दर आदि पर मिलकर काम कर रहे हैं। वित्त मंत्री ने शनिवार को नई दिल्ली में रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा और वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस ऐसे वक्त हुई, जब एक दिन पहले ही रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कटौती का एलान किया है। सीतारमण ने कहा कि वे अगले हफ्ते नया आयकर विधेयक संसद में पेश कर सकती हैं, जिसके बाद विधेयक को संसदीय समिति के पास भेजा जाएगा।

रिजर्व बैंक ने एक दिन पहले ही रेपो रेट में की थी कटौती

रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि केंद्र सरकार क्रेडिट देने पर फोकस कर रही है और आगे भी इस दिशा में काम जारी रहेगा। आरबीआई गवर्नर ने एमपीसी की बैठक के बाद शुक्रवार को एलान किया कि रेपो में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की गई है। इसे 6.5% से घटाकर 6.25% कर दिया गया है। फरवरी 2023 से रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया था। इससे पहले 2020 में कोविड महामारी के दौरान ब्याज दरों में कटौती की गई थी, लेकिन इसके बाद धीरे धीरे कर ब्याज दरों को 6.5 प्रतिशत बढ़ा दिया गया। रेपो रेट में कटौती की घोषणा लंबे समय के बाद हुई है।

दिल्ली चुनाव के नतीजों पर क्या बोलीं वित्त मंत्री

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को दिल्ली चुनाव के नतीजों पर कहा कि यह समय की मांग है कि दिल्ली को ऐसी सरकार मिले जो लोगों की सेवा करे। रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सीतारमण ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समय की मांग है कि भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में ऐसी सरकार हो जो लोगों की सेवा करे। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि उनका दृढ़ विश्वास है कि प्रधानमंत्री ने देश के लिए जो रोडमैप तय किया है, उसमें दिल्ली को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी और मानव विकास संकेतक से संबंधित सभी मुद्दों और बुनियादी ढांचे, स्कूलों, अस्पतालों और लोगों की स्वास्थ्य सेवा के लिए हर दृष्टिकोण से लोगों की सेवा की जाएगी।

एसएमई को सशक्त बनाने में एसएमएफजी इंडिया निभा रही है प्रमुख भूमिका, पेश की नई ब्रांड फिल्म

SMFG India Credit
Pragati Ki Nayi Pehchaan

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने अपनी नई ब्रांड फिल्म पेश की है। यह फिल्म उम्मीद, बदलाव और असीम संभावनाओं की आकर्षक कहानी पेश करती है। यह फिल्म छोटे और मध्यम आकार के व्यवसाय मालिकों को अपने ऋण प्रस्ताव के ज़रिये सशक्त बनाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालती है।

लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) का भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 30 फीसद योगदान है। रोजगार सृजन में एसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका है। बावजूद इसके औपचारिक ऋण प्राप्त करने में छोटे कारोबारियों को तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एसएमई को सुलभ और आसान व्यावसायिक ऋण समाधान प्रदान कर एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट भारत के आर्थिक विकास में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

व्यावसायिक ऋणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, कंपनी विकास और परिवर्तन चाहने वाले व्यवसायों के लिए एक पसंदीदा वित्तीय भागीदार के रूप में अपनी स्थिति को निरंतर मजबूत कर रही है।

इसी क्रम में एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने अपनी नई ब्रांड फिल्म पेश की है। यह फिल्म उम्मीद, बदलाव और असीम संभावनाओं की आकर्षक कहानी पेश करती है। यह फिल्म छोटे और मध्यम आकार के व्यवसाय मालिकों को अपने ऋण प्रस्ताव के ज़रिये सशक्त बनाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालती है, जिससे उन्हें बड़े सपने देखने, बढ़ने और फलने-फूलने में मदद मिलती है।

हास्य से भरपूर म्यूज़िकल फॉर्मैट में प्रस्तुत की गई यह फिल्म एक छोटे खुदरा विक्रेता की कहानी बयां करती है जो अपना कारोबार बढ़ाना चाहता है। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे एक एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट बिज़नेस लोन उसका जीवन बदल देता है, उसे एक नई पहचान बनाने और वित्तीय प्रगति हासिल करने में मदद करता है। फिल्म मूल रूप से नई शुरुआत के लिए लचीलापन, महत्वाकांक्षा और वित्तीय सशक्तिकरण की ताकत पेश करती है।

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी, अजय पारीक ने कहा कि यह फिल्म इस बात पर ज़ोर देती है कि कैसे एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट बिज़नेस लोन (व्यवसाय ऋण) छोटे खुदरा विक्रेताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है और आकर्षक ब्याज दरें, न्यूनतम दस्तावेज तथा आसान पुनर्भुगतान की सुविधा प्रदान करता है।

बेटी नहीं बचाओगे, तो बहू कहाँ से लाओगे?

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम ने बेटे को प्राथमिकता देने के मुद्दे पर सफलतापूर्वक जागरूकता बढ़ाई है, लेकिन अपर्याप्त कार्यान्वयन और निगरानी के कारण, यह अपने वर्तमान स्वरूप में अपने मुख्य लक्ष्य को प्राप्त करने में विफल रहा है। 22 जनवरी, 2015 को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी, जिसका उद्देश्य लिंग-भेदभाव को रोकना, बालिकाओं को जीवित रखना और उनकी शिक्षा को आगे बढ़ाना था। भले ही बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम ने लिंग भेदभाव के बारे में बहुत जरूरी जागरूकता पैदा की है, लेकिन अपर्याप्त कार्यान्वयन और निगरानी के कारण यह अपने मुख्य लक्ष्य से भटकता नज़र आता है जबकि यह अपने दसवें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। भारत में युवा लड़कियों को अपने जीवन भर कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है और बेटे को प्राथमिकता देने और प्रतिगामी सत्ता संरचनाओं जैसे पितृसत्तात्मक सामाजिक मानदंडों के परिणामस्वरूप आर्थिक अवसरों को खोना पड़ता है जो उनके अस्तित्व और शिक्षा में बाधा डालते हैं।बेटे को प्राथमिकता देने वाले सामाजिक मानदंडों में यह कथन शामिल है कि ₹बेटी की परवरिश पड़ोसी के बगीचे में पानी देने जैसा है।₹ दृष्टिकोण बदलने के लिए सिर्फ़ वित्तीय प्रोत्साहन से ज़्यादा की ज़रूरत है।

–प्रियंका सौरभ

हरियाणा में एक कहावत है, ₹बेटी नहीं बचाओगे, तो बहू कहाँ से लाओगे?₹ हालांकि यह मान लेना गलत है कि सभी बेटियाँ भावी दुल्हन हैं, फिर भी यह मुहावरा एक ऐसे राज्य में लिंग-चयनात्मक गर्भपात के गंभीर परिणामों की ओर ध्यान आकर्षित करने में प्रभावी है, जो दशकों से ₹बेटियों की कमी₹ से जूझ रहा है। स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आय में प्रगति के बावजूद भारत का जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) कम बना हुआ है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5, 2019-21) द्वारा एसआरबी को प्रति 1,000 लड़कों पर 929 लड़कियाँ बताया गया। यह एनएफएचएस-4 (2015-16: प्रति 1,000 लड़कों पर 919 लड़कियाँ) की तुलना में थोड़ा सुधार है, लेकिन यह अभी भी एक निरंतर लिंग पूर्वाग्रह दिखाता है। ऐतिहासिक रूप से कुछ राज्यों में, विशेष रूप से उत्तरी और पश्चिमी भारत में अधिक विषम अनुपात रहे हैं।

1994 के गर्भाधान पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) अधिनियम के बावजूद, जन्मपूर्व लिंग निर्धारण तकनीकों द्वारा लिंग-पक्षपाती लिंग चयन संभव हो गया है। धनी आर्थिक समूहों और उच्च जातियों में पुरुषों के प्रति झुकाव वाली एसआरबी की दर अधिक है, जो यह दर्शाता है कि मौद्रिक प्रोत्साहन अकेले पर्याप्त निवारक नहीं हो सकते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के लागू होने के बाद से हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में एसआरबी में सुधार हुआ है। दक्षिणी और पूर्वी राज्यों में एसआरबी में गिरावट आ रही है, जिन्हें आम तौर पर बेहतर लिंग अनुपात के लिए जाना जाता है। यह एक चिंताजनक प्रवृत्ति है। हालाँकि दिल्ली के आसपास के राज्यों में सुधार हुआ है, लेकिन दिल्ली में भी एसआरबी में गिरावट देखी गई है। जबकि यहाँ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के लिए बुनियादी लक्ष्य और रणनीतियाँ थीं।

पीसीपीएनडीटी अधिनियम को और अधिक सख्ती से लागू करके लिंग के आधार पर लिंग चयन को प्रतिबंधित करना होगा। लड़कियों की शिक्षा, सुरक्षा और जीवन रक्षा को बढ़ाना होगा। बाल विवाह में देरी करना और महिलाओं की शैक्षिक प्राप्ति को बढ़ाना जरूरी है। पितृसत्तात्मक मान्यताओं से निपटने के लिए राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रयासकरने होंगे। लिंग-चयनात्मक गर्भपात को रोकने के लिए, पीसीपीएनडीटी अधिनियम को मजबूत किया जाना चाहिए। वित्तीय प्रोत्साहन जैसे कि हरियाणा के लाडली और आपकी बेटी हमारी बेटी जैसे कार्यक्रम परिवारों को लड़कियों की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। शैक्षिक सशक्तिकरण, छात्रवृत्ति और बुनियादी ढांचे के समर्थन के माध्यम से लड़कियों की शिक्षा के लिए धन मुहैया कराना प्रभावी कदम है। उच्च विषमता वाले क्षेत्रों के बाहर सीमित प्रभावशीलता बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का प्रभाव अलग-अलग है; कुछ दक्षिणी और पूर्वी राज्यों में एसआरबी में गिरावट देखी जा रही है। इसका मतलब है कि उच्च विषमता वाले राज्यों में केंद्रित हस्तक्षेप पर्याप्त नहीं हैं।

बेटे को प्राथमिकता देने वाले सामाजिक मानदंडों में यह कथन शामिल है कि ₹बेटी की परवरिश पड़ोसी के बगीचे में पानी देने जैसा है।₹ दृष्टिकोण बदलने के लिए सिर्फ़ वित्तीय प्रोत्साहन से ज़्यादा की ज़रूरत है। कम महिला श्रम शक्ति भागीदारी अभी भी दुनिया में सबसे कम है, यहाँ तक कि बेहतर शैक्षिक मानकों के साथ भी। आर्थिक असुरक्षा का अनुभव करने वाली महिलाएँ पितृसत्तात्मक व्यवस्थाओं का विरोध करने में कम सक्षम हैं। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत वेतन समानता के मामले में वैश्विक स्तर पर 127वें स्थान पर है, जहाँ पुरुषों द्वारा अर्जित प्रत्येक 100 रुपये के लिए महिलाएँ केवल 39.8 रुपये कमाती हैं। सशर्त नकद प्रोत्साहन (जैसे, सशर्त नकद हस्तांतरण) प्रणालीगत परिवर्तन के बजाय नीति का केंद्र बिंदु हैं। लाडली योजना द्वारा लैंगिक पूर्वाग्रह के अंतर्निहित कारणों को दूर नहीं किया गया है। रोजगार, संपत्ति के अधिकार और वित्तीय स्वायत्तता के क्षेत्रों में संरचनात्मक परिवर्तन प्राप्त करने के लिए, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को कैचफ्रेज़ से आगे बढ़ना चाहिए।

लिंग-संवेदनशील नीतियों को मजबूत किया

जा रहा है। ₹लड़कियों को बचाने₹ के बजाय, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को नेतृत्व, वित्तीय समावेशन और रोजगार में ₹महिलाओं को सशक्त बनाने₹ पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। प्रोत्साहन देकर अधिक महिलाओं को उद्यमिता और करियर को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करें। रोजगार अंतराल और वेतन असमानताओं को संबोधित करें लैंगिक वेतन अंतर को कम करने के लिए समान वेतन कानून लागू करें। मातृत्व लाभ, लचीले कार्य कार्यक्रम और चाइल्डकैअर सहायता प्रदान करके अधिक लोगों को काम करने के लिए प्रोत्साहित करें। पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रवर्तन को बढ़ाना, डायग्नोस्टिक क्लीनिकों की निगरानी करना और अवैध लिंग निर्धारण के खिलाफ सख्त कदम उठाना कानूनी और सामाजिक सुधारों को मजबूत करने के सभी तरीके हैं। सरकार के स्थानीय स्तर पर जवाबदेही प्रणाली को मजबूत करें। संपत्ति और विरासत पर महिलाओं के अधिकार सुनिश्चित करें।

उत्तराधिकार अधिकारों को न्यायसंगत बनाए रखें, खास तौर पर उन क्षेत्रों में जहाँ बेटियों को अभी भी समान संपत्ति का स्वामित्व नहीं दिया जाता है। महिलाओं को परिवारों में एक साथ संपत्ति रखने के लिए प्रोत्साहित करें। समुदाय द्वारा संचालित व्यवहार और जुड़ाव में बदलाव लाएं। स्थानीय नेताओं के माध्यम से जमीनी स्तर पर भागीदारी बढे। शिक्षकों, धार्मिक नेताओं और समुदाय के प्रभावशाली सदस्यों को पितृसत्तात्मक परंपराओं का विरोध करने के लिए प्रोत्साहित करें। लैंगिक समानता के बारे में बातचीत में अधिक पुरुषों को शामिल करें। बेटियों के मूल्य की कहानी को बदलने वाले अभियानों को अपना ध्यान ₹बालिकाओं की सुरक्षा₹ से बदलकर ₹बालिकाओं को सशक्त बनाने₹ पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। परिवार की सफलता के लिए बेटियों को संपत्ति के रूप में उत्थानकारी संदेशों को प्रोत्साहित करें। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम ने बेटे को प्राथमिकता देने के मुद्दे पर सफलतापूर्वक जागरूकता बढ़ाई है, लेकिन अपर्याप्त कार्यान्वयन और निगरानी के कारण, यह अपने वर्तमान स्वरूप में अपने मुख्य लक्ष्य को प्राप्त करने में विफल रहा है।

जिला और राज्य स्तर की बैठकों की कमी के कारण योजना पिछले कुछ वर्षों में बनी गति खो रही है। इसलिए जिला और राज्य स्तर पर कार्य समितियों का प्रतिनिधित्व समुदाय स्तर के कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाना चाहिए, महिला छात्राओं द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों, जैसे शौचालयों की कमी, के बारे में जागरूक होना चाहिए और प्रभावी निगरानी और मूल्यांकन प्रणाली होनी चाहिए, जो यह दिखाए कि योजनाएँ अपने लक्ष्यों की दिशा में कितनी अच्छी तरह काम कर रही हैं। भारत में, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ लिंग आधारित भेदभाव को दूर करने के लिए एक उल्लेखनीय नीतिगत हस्तक्षेप रहा है। हालाँकि इसने कुछ क्षेत्रों में एसआरबी के सुधार में योगदान दिया है, लेकिन महिलाओं की आर्थिक उन्नति में निहित पितृसत्तात्मक मान्यताओं और संरचनात्मक बाधाओं के कारण इसका प्रभाव अभी भी सीमित है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि महिलाओं को पुरुषों के समान आर्थिक, सामाजिक और कानूनी अवसरों तक समान पहुँच हो, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को अपनी संरक्षणवादी रणनीति को अधिकार-आधारित सशक्तिकरण पर केंद्रित रणनीति से बदलना होगा। तभी हम सशर्त प्रोत्साहनों से आगे बढ़ पाएंगे और स्थायी समानता प्राप्त कर पाएंगे, जिससे लिंग अंतर कम हो जाएगा। सांस्कृतिक मान्यताओं में गहराई तक समाए होने के कारण अक्सर महिलाओं को सशक्त बनाने वाले कानूनों को लागू करना मुश्किल हो जाता है, जैसे संपत्ति के स्वामित्व का अधिकार, स्थानीय नेताओं और प्रभावशाली लोगों के नेतृत्व में समुदाय की भागीदारी की आवश्यकता होती है ताकि पितृसत्तात्मक मानदंडों पर सवाल उठाया जा सके और उन्हें बदला जा सके। हालाँकि इसके लिए नारेबाज़ी और सशर्त नकद प्रोत्साहनों की तुलना में अधिक सूक्ष्म प्रयासों की आवश्यकता होती है, लेकिन बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना निश्चित रूप से एक सकारात्मक कदम रही है। पितृसत्तात्मक मानदंडों के तहत लैंगिक समानता के लिए बातचीत करने से शायद कोई फ़ायदा न हो। धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से, हमें अपना दृष्टिकोण बदलना होगा।

एकादशी उधापन एवं घोड़ा उजवना कार्यक्रम सम्पन्न

परिवहन विशेष न्यूज

हैदराबाद बालाजी नगर स्थित श्री आईमाता जी बडेर में दो दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिन शुक्रवार 7 फरवरी पुजा अर्चना ,हवन, भारी संख्या में भक्तों द्वारा बाबाजी के ज्योति व भव्य जल कलश शोभायात्रा लेकर मंदिर प्रांगण पहुंची अवसर पर 15 कुंडिया महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें 60 जोड़ों द्वारा हवन महायज्ञ किया गया। इस अवसर पर एक शाम बाबा रामदेव के नाम का जागरण आयोजित किया गया। भजन गायक मुखराम बंजारा ने बाबा भजनों से भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का सर्व समाज पदाधिकारीयों का सम्मान किया।एकादशी उधापन एवं दुसरे दिन शनिवार 8 फरवरी 2025 घोड़ा उजवना पंडित राधेश्याम के मंत्रोच्चारण से

एकादशी व्रत उज्जवणी (उद्यापन) के लाभकर्ता

गवरी देवी स्व दुर्गाराम सोयल,
कुकी देवी - भेराराम सोयल
शिल्पा देवी- ओमप्रकाश सोयल

,ममता देवी - राजाराम सोयल , मित्तल देवी - किशोर सोयल ,अनिता देवी - कपिल सोयल ,अनिता देवी, प्रताब सोयल , डिंपल देवी - जीतु सोयल,तारादेवी - तेजाराम गेहलोत , इंद्रादेवी- केसाराम गेहलोत ,लीलादेवी - सुरेश गेहलोत ,संतोष देवी - नगाराम गेहलोत, पुष्पा देवी - भंवरलाल हाम्बड़ - फुलीदेवी - हंसराज हाम्बड़ , संतोषदेवी-कन्हैयालाल भायल , पिंकीदेवी -सूरज भायल, पवनी देवी - अमराराम भायल ,गुड़िया देवी - देवाराम भायल ,गुड़िया देवी - सोहनलाल भायल ,संतोष देवी -गोपाल भायल, पुष्पा देवी - महेन्द्र भायल , ललिता देवी- कैलाश ,विमला देवी - जगदीश गेहलोत ,राधा देवी - पारस राठौड़ , कुसुम देवी - भीमाराम पवार ,लता कंवर - छेल सिंह उदावत , पुष्पा कंवर - किसन सिंह उदावत ,सोना कंवर -देवेन्द्र सिंह उदावत,गोपाल कंवर - करण सिंह , मंजू देवी - लालाराम काग , सीमा देवी - मुकेश काग , ममता देवी - नारायण लाल , पुजा देवी - सुरेश काग, पचनी देवी - नारायण लाल , ममता देवी - सोहनलाल, गीतादेवी - नारायण लाल सोयल , रेखा देवी - हीरालाल सैणचा,मंजु देवी - धनराज पवार , राधादेवी - बिंजाराम सोयल , विमला देवी भवरलाल ,कमला देवी - नथाराम मुलेवा , कमलादेवी- गोविन्द वरफ़ा , भुण्डी देवी- रमेश , किरण देवी - सुरेन्द्र सिंह राठौड़ , विमला - भवरलाल सतपुरा ,नारंगी देवी - चुनीलाल सोलंकी , विमला देवी - नारायण लाल ,कुकी देवी - नारायण लाल प्रजापत,संगीता देवी -हेमंत हाम्बड़, दिव्या देवी -अजय भायल , केसरी देवी ,सुनील पंवार, रेखा देवी - सुरेश दास हरिवियासी ,

कुकी देवी - गिरधारी लाल मुलेवा , रमा देवी - वेनाराम सोलंकी , सुकिया देवी - हकाराम सोलंकी , सीतादेवी - केनाराम सोलंकी , शारदा देवी -कुपाराम सोयल,हुलिया देवी - धीराराम बरफ़ा , दाकू देवी -पूनाराम चौधरी पवार , कवरेज पत्रकार रिपोर्टर जगदीश सीरवी ने किया।सीरवी समाज तेलंगाना बालाजी नगर बडेर अध्यक्ष जयराम पंवार, उपाध्यक्ष नारायणलाल बर्फा, सचिव हिरालाल चोयल,सहसचिव डुगाराम सोलंकी, कोषाध्यक्ष नरेश, सह कोषाध्यक्ष सोहनलाल, समस्त कार्यकारणी पदाधिकारी व समाज बन्धु। बडेर अध्यक्ष जयराम पंवार सचिव हिरालाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया।

बेक डेटिंग से सेटिंग चलाना महंगा पडा डीइओ को, हड़काने से महिला प्राचार्या बेहोश

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

सरायकेला : किसी असाधारण ओड़िया महिला की बेइज्जती पर अगर अड़िया अस्मिता का मामला भारतीय सदन पटल को गरमा सकता है तो ओडिशा का अंग रहा सरायकेला के प्रख्यात ऐतिहासिक नृपराज राजकीय सी एम्स्कूल आफ एक्सीलेंस की साधारण ओड़िआ प्राचार्या अम्बिका प्रधान की तौहीन हो और वह बेहोश होकर गिर पड़े, ऐसे में अड़िया अस्मिता चुप कैसे रहेगा ! ऐसा कभी हुआ है न होगा , मामला ओडिशा व दिल्ली दरबार की तरफ रूख कर रहा है ।

कल अपने ही विधालय में सरायकेला खरसावां के जिला शिक्षा पदाधिकारी संतोष गुप्ता के कृर व्यवहार व कृत्य से प्रभारी प्रधानाचार्य अंबिका प्रधान बेहोशी की स्थिति तक पहुंच गयी । जब विद्यालय की दूसरी शिक्षिकाओं ने पानी छिड़कर उन्हें होश में लाया तो मामला उजागर हुआ । यह पहली घटना नहीं अक्सर इस ओडिया देशी रियासत के ओड़िया लोगों पर विशेष कर ओडिया शिक्षिकाओं को ऐसी घटनाओं का सामना करते देखा जा सकता जहां मानवता भी शर्मशार हो जाए ।

जिला मुख्यालय स्थित एन आर सी एम्एक्सीलेन्सी +२ स्कुल की में शिक्षकों की सेवा पुस्तिका में हस्ताक्षर करने को लेकर मामला इतना बढ़ गया कि स्वयं जिला शिक्षा पदाधिकारी संतोष कुमार गुप्ता दबाव देने हेतु स्कुल पहुंचकर प्रभारी प्राचार्य अंबिका प्रधान को भड़काते हुए बेहोश तक करने उतारू हुए। विना आदेश से प्राचार्या अंबिका को हटाकर किनको लाकर क्या काम करना चाहते हजारीबाग के इस चर्चित शिक्षा अधिकारी सरायकेला खरसावां के शिक्षक व प्रशासन के नजर में यह बात चर्चा ए बाजार है ।जिसकी उच्चस्तरीय जांच हेतु बुद्धिजीवियों द्वारा मंथन जारी है

बताया जा रहा है कि एनआर स्कूल में पदस्थापित 10 नये शिक्षकों की सेवा पुस्तिका जिला शिक्षा पदाधिकारी बैगर संपुष्टि के खुद ही हस्ताक्षर कर दिये थे । और प्रभारी प्राचार्य को बैक डेट में उस पर हस्ताक्षर करने का दबाब बनाने लगे । इस दरम्यान अनेकों बार डी ई ओ ने प्रभारी प्राचार्य पर फोन से दबाव बनाया । मगर प्रभारी प्रधानाचार्य ने बगैर कार्यालय आदेश के बैक डेट

में हस्ताक्षर करने से मना कर दिया ।जिससे डीईओ शुक्रवार को खुद स्कूल पहुंच कर प्रभारी प्रधानाचार्य को जमकर फटकार लगाते हुए उन्हें प्रभार से मुक्त करने की धमकी दे दी। उनके जाने के बाद प्रभारी प्रधानाचार्य अंबिका प्रधान मूर्छित होकर गिर पड़ी और स्कूल में मौजूद शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने उन्हें पानी के छींटे देकर होश में लाया।

उधर प्रभारी प्रधानाचार्या अंबिका प्रधान ने बताया कि पिछले कई दिनों से डीईओ बैक डेट में शिक्षकों के सर्विस बुक में हास्ताक्षर करने को लेकर दबाव बना रहे थे। शुक्रवार को स्कूल पहुंच गए और शाम तक सेवा पुस्तिका में हस्ताक्षर करने को लेकर दबाव बनाकर चले गए। उन्होंने बताया कि स्कूल के 10 शिक्षक- शिक्षिकाओं के सेवा पुस्तिका पर बगैर उनकी सहमति लिए साहब ने खुद ही हस्ताक्षर कर दिया है। अब मुझपर बैक डेट में साइन करने का दबाव बना रहे हैं.। मैंने जब उनसे कहा कि इसका एक कार्यालय आदेश जारी कर दीजिए जिस पर साहब भड़क उठे । उधर डीई ओ संतोष गुप्ता मंत्री के बैठक में शामिल होने के लिए शनिवार को पूर्वी सिंहभूम गये है जहां से शाम पांच बजे तक उनके अपने कार्यालय में वे नहीं पहुंच पाने के कारण उनसे मुलाकात प्रतिक्रिया संभव नहीं हो सका है । वैसे संतोष गुप्ता हजारीबाग में डी एस सी रहते उनपर गंभीर आरोप लगे हैं । जिसे प्रारंभिक जांच में सही पाया गया है तथा इस पश्चात विभागीय कार्रवाई की तरफ मामला बढ़ा है । अगर इतना कुछ इस डी ई ओ पर आरोप था तो उनको सरायकेला खरसावां जैसे जिला किस कारण वश भेजा गया यह विभाग के कार्मिक अंग को भी कटघरे में खड़ा करता । जब महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू के अपमान पर भारतीय संसद पटल में ओडिया अस्मिता के लिए बड़ा बहसबाजी चल रही हो तो ऐसे वक्त पर एक गैर ओड़िआ राज्य से ओड़िआ प्रभारी प्राचार्य को नियम विरूद्ध कार्य कराने हेतु प्रताड़ित करना, कथित दबंग डी एस ई की जिले में पदस्थापन व उद्देश्य विछिन्न उत्कल सरायकेला खरसावां, सिंहभूम में अड़िया अस्मिता के घोर विरूद्ध है । सुत्र बताते हैं आने वाले समय में इसकी लपेटे बड़े जांच एजेंसियों को आमंत्रित करेगी। संभवत ओडिशा सरकार व केन्द्र सरकार की नजरें सरायकेला खरसावां शिक्षा विभाग के हर क्रियाकलाप पर शीघ्र होगी

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला की भूमिका

डॉ. लॉजिस्टिक्स

विशेष अतिथिः डॉ. अंकुर शरण (प्रख्यात लॉजिस्टिक्स विशेषज्ञ, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में 18 वर्षों का अनुभव)

डॉ. लॉजिस्टिक्सः नमस्कार डॉ. शरण, सबसे पहले आपका स्वागत है। आज हम आपसे आपूर्ति श्रृंखला और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में बदलावों और इसके महत्व पर चर्चा करना चाहेंगे। शुरुआत करते हैं इस बुनियादी प्रश्न से – लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला का वैश्विक व्यापार में क्या योगदान है?

डॉ. अंकुर शरणः धन्यवाद! देखिए, लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला किसी भी व्यापार का मूल आधार हैं। यह सिर्फ माल की ढुलाई तक सीमित नहीं है, बल्कि निर्माण, भंडारण, इन्वेंट्री प्रबंधन, आपूर्ति, और वितरण की पूरी प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने की एक प्रणाली है।

आज, जब ई-कॉमर्स, मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट तेजी से बढ़ रहे हैं, तो बिना मजबूत लॉजिस्टिक्स सिस्टम के यह संभव नहीं है। वैश्विक व्यापार को गति देने और 'मेक इन इंडिया' जैसी सरकारी पहलों को सफल बनाने के लिए लॉजिस्टिक्स का कुशल प्रबंधन जरूरी है।

डॉ. लॉजिस्टिक्सः बिल्कुल सही कहा! लेकिन क्या आपको लगता है कि भारत अभी भी इस क्षेत्र में चुनौतियों का सामना कर रहा है?

डॉ. अंकुर शरणः जी हां, भारत में लॉजिस्टिक्स सेक्टर में सुधार की काफी संभावनाएं हैं। मुख्य चुनौतियां इस प्रकार हैंः

इंफ्रास्ट्रक्चर और परिवहन लागतः भारत में लॉजिस्टिक्स की लागत GDP का लगभग 13-14% है, जबकि विकसित देशों में यह 8-9% होती है।

डिजिटलीकरण और ऑटोमेशन की कमीः नई तकनीकों जैसे AI, IoT, और ब्लॉकचेन को तेजी से अपनाने की जरूरत है।

मानव संसाधन और विशेषज्ञताः लॉजिस्टिक्स सेक्टर में प्रशिक्षित पेशेवरों की कमी है, इसलिए कॉर्पोरेट मेंटरशिप और स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम की जरूरत है।

सरकार गति शक्ति योजना, भारतमाला और सागरमाला परियोजनाओं के माध्यम से इस क्षेत्र को सशक्त बना रही है, लेकिन निजी क्षेत्र की भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है।

डॉ. लॉजिस्टिक्सः आपने कॉर्पोरेट मेंटरशिप की बात की, तो क्या आप इसे छात्रों और युवा पेशेवरों के लिए आवश्यक मानते हैं?

डॉ. अंकुर शरणः बिल्कुल! कॉर्पोरेट मेंटरशिप ही वह सेतु है जो सैद्धांतिक शिक्षा और व्यावहारिक अनुभव को जोड़ता है। मैनेजमेंट स्टूडेंट्स को सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें फील्ड विजिट, लाइव प्रोजेक्ट्स, और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स से मार्गदर्शन लेना चाहिए।

आज भारत को ऐसे युवा चाहिए, जो लॉजिस्टिक्स में नवाचार (Innovation) लाएं, नई टेक्नोलॉजी अपनाएं और एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट सेक्टर को मजबूती दें।

डॉ. लॉजिस्टिक्सः एक आखिरी सवाल – भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला का भविष्य कैसा दिखता है?

डॉ. अंकुर शरणः भारत ₹विश्व की फैक्ट्री₹ बनने की राह पर है, लेकिन यह तभी संभव होगा जब हमारी लॉजिस्टिक्स व्यवस्था मजबूत होगी। नई तकनीक और डिजिटलीकरण लॉजिस्टिक्स को और प्रभावी बनाएंगे। ई-कॉमर्स, कृषि और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में लॉजिस्टिक्स की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सस्टेनेबल लॉजिस्टिक्स का दौर आएगा, जहां ग्रीन सप्लाई चेन, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और कार्बन फुटप्रिंट कम करने की पहल होगी। अगर हम सही दिशा में कार्य करें, तो भारत न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को तेज़ी से बढ़ा सकता है बल्कि वैश्विक लॉजिस्टिक्स हब भी बन सकता है।

डॉ. लॉजिस्टिक्सः बहुत ही महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक बातें! हम उम्मीद करते हैं कि इस बातचीत से लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में युवा और प्रोफेशनल्स को नई दिशा मिलेगी। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद!

डॉ. अंकुर शरणः धन्यवाद! और मैं सभी छात्रों और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स से यही कहूंगा कि लॉजिस्टिक्स सिर्फ एक क्षेत्र नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक प्रगति का इंजन है। इसमें जितना निवेश करेंगे, उतना ही लाभ मिलेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023